सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 24 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 07 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

वंदे मातरम के 150 वर्ष : पीएम ने किया स्मरणोत्सव का शुभारंभ, डाक टिकट व सिक्का जारी

नई दिल्ली। 7 नवंबर 2025 को राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे हो गए। इस खास दिन को पूरा देश सेलीब्रेट कर रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के खास मौके पर वर्ष भर चलने वाले स्मरणोत्सव का शुभारंभ किया है। प्रधानमंत्री मोदी इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी 'वंदे मातरम' के पूर्ण संस्करण के सामूहिक गायन में शामिल हुए और एक पोर्टल भी लॉन्च किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया है।

7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के दिन लिखा गया था गीत

वर्ष 2025 में वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह गीत बंकिमचंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के दिन लिखा था। बाद में यह उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' के एक अंश के रूप में साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ। वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देश में एक साल का उत्सव मनाया जा रहा है। शुक्रवार को पीएम मोदी ने एक साल के राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया।

अगले वर्ष 7 नवंबर 2026 तक चलेगा स्मरणोत्सव

यह कार्यक्रम 7 नवंबर 2025 से लेकर 7 नवंबर 2026 तक चलेगा। पूरे देश में विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षणिक और जनसहभागिता वाले आयोजन होंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, यह भारत माता की आत्मा की अभिव्यक्ति है। इस राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा देने वाले गीत वंदे मातरम के महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। पीएम मोदी ने कहा, 'गुलामी के उस कालखंड में वंदे मातरम् इस संकल्प का उद्घोष बन गया।

गीत में 'सुजलाम सुफलाम' सपना भी प्रस्तुत किया

पीएम ने कहा 'गुलामी के कालखंड में जिस तरह अंग्रेज भारत को नीचा और पिछड़ा बताकर अपने शासन को सही ठहराते थे, इस पहली पंक्ति ने उस दुष्प्रचार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। इसलिए, 'वंदे मातरम' न केवल आजादी का गीत बना, बल्कि 'वंदे मातरम' ने करोड़ों देशवासियों के सामने स्वतंत्र भारत कैसा होगा, वह 'सुजलाम सुफलाम' सपना भी प्रस्तुत किया।' इसमें कहा गया कि मां भारती के हाथों से गुलामी की बेड़िया टूटेगी और उसकी संतानें स्वयं अपने भाग्य की भाग्य विधाता बनेगी।'

खास-खबर

सड़क हादसा : बाइक और ट्रक में भिड़ंत, सीएएफ जवान की मौत

कोंडागांव। जिले के केशकाल थाना क्षेत्र में बीती रात एक सड़क हादसे में जवान की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 30 केशकाल के ग्राम गुलबापारा के पास एक बाइक व ट्रक के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवक शंकरलाल नाग पुलिस विभाग में सीएएफ का जवान था। जवान की मौत से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं घटना की जानकारी लगते ही परिजन मौके पर आ पहुंचे।

मिली जानकारी के अनुसार, सीएएफ जवान शंकरलाल नाग थाना उरांदाबेड़ा में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। वह अपने बड़े भाई के साथ अपने किसी रिश्तेदार के घर शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाइक में सवार होकर ग्राम कोहकामेटा आए हुए थे। शोक कार्यक्रम समाप्त होने के बाद देर शाम अपने बड़े भाई को बाइक पर बैठाकर रात को वापस अपने घर फरसगांव की ओर जा रहा था कि ग्राम गुलबापारा के पास सामने से आ रही लकड़ी गोले ले भरी ट्रक से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक चालक जवान की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक के पीछे बैठा उसका बड़ा भाई सुरक्षित है, आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी, वही मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

यौन उत्पीड़न आरोपों में फंसे आईजी रतनलाल डांगी हटाए गए पीएचक्यू अटैच

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस अकादमी चंदखुरी में पोस्टेड आईजी रतनलाल डांगी को यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच पद से हटा दिया गया है। डांगी को पुलिस अकादमी से हटाकर पुलिस मुख्यालय में अटैच किया गया है। डांगी पर एसआई की पत्नी ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने आदेश जारी किया है। आईजी रतनलाल डांगी की जगह सीनियर आईपीएस अजय यादव को जिम्मेदारी सौंपी है। अजय यादव नारकोटिक्स डिपार्टमेंट में थे, जो अब पुलिस अकादमी चंदखुरी में निदेशक के रूप में सेवाएं देंगे। एसआई की पत्नी ने आईजी डांगी के खिलाफ पुलिस मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। डांगी के खिलाफ 14 दिन की जांच और इंटरनल रिपोर्ट के बाद गृह विभाग ने एक्शन लिया है। आईजी रतनलाल डांगी महिला के खिलाफ पहले ही सीनियर अफसरों से कर चुके हैं।

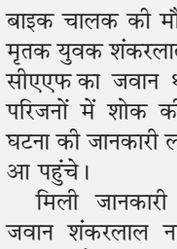

जीएसटी रिटर्न अब क्रेडिट कार्ड व डेबिट कार्ड से, यूपीआई का भी है ऑप्शन

सीएम साय व वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर सुविधा लागू, व्यापारियों को मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में व्यापारियों को बड़ी राहत देते हुए सरकार ने जीएसटी भुगतान को आसान बना दिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन व वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर राज्य जीएसटी विभाग और कोष लेखा (ट्रेजरी) विभाग द्वारा जीएसटी रिटर्न के भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और यूपीआई सुविधा पूरे राज्य में लागू कर दी गई है।

बता दें छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स व अन्य व्यापारिक संगठन लगातार यह मांग करते रहे हैं कि यदि आधुनिक डिजिटल माध्यम जैसे यूपीआई और कार्ड भुगतान को जीएसटी पोर्टल से जोड़ा जाए, तो राज्य में कर भुगतान सरल व पारदर्शी हो सकेगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इन मांगों को गंभीरता से लेते हुए, करदाताओं की सुविधा और डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से दोनों विभागों को संयुक्त रूप से कार्य कर इसे शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए थे, जिसके परिणामस्वरूप यह सुविधा अब प्रभावी हो गई है।

पहले नेट बैंकिंग और ओटीसी से होता था भुगतान

अब तक करदाताओं के लिए केवल नेट बैंकिंग और ओटीसी भुगतान के विकल्प ही उपलब्ध थे। इससे करदाताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बैंकों के जीएसटी पोर्टल से जुड़े न होने के कारण भुगतान करना संभव नहीं होता था, जबकि तकनीकी कारणों से भुगतान असफल होना, बैंक सर्वर का डाउन रहना या अंतिम तिथि पर पेमेंट फेल होना जैसी समस्याएं भी आम थीं। क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और यूपीआई के माध्यम से जीएसटी भुगतान की यह नई सुविधा करदाताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। इससे भुगतान प्रक्रिया और अधिक सरल, तेज़ और पारदर्शी बनेगी, साथ ही छोटे व्यापारियों को विशेष रूप से लाभ मिलेगा।

यह सुविधा अब जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध

वित्तमंत्री ने कहा कि यह सुविधा अब जीएसटी पोर्टल (www.gst.gov.in) पर उपलब्ध है। करदाता पोर्टल में लॉगिन कर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या यूपीआई ऐप से सीधे टैक्स का भुगतान कर सकते हैं। यह व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित है और जीएसटी भुगतान को और अधिक सहज तथा उपयोगकर्ता अनुकूल बनाएगी। इस नई पहल को राज्य में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और पारदर्शी कर प्रणाली स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे विभागीय कार्यप्रणाली और कर संग्रह दोनों में दक्षता बढ़ेगी तथा छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी डिजिटल टैक्स प्रशासन वाले राज्यों में अपनी स्थिति को और मजबूत करेगा।

भुगतान सरल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

"करदाताओं के हित में जीएसटी भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और यूपीआई जैसी डिजिटल सुविधाओं का राज्यभर में विस्तार इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल भुगतान की यह व्यवस्था व्यापारियों को न केवल सुविधा और गति प्रदान करेगी। हम चाहते हैं कि करदाताओं को तकनीकी या प्रक्रिया संबंधी कठिनाई का सामना न करना पड़े, और वे बिना किसी बाधा के कर दायित्वों का पालन कर सकें।

-विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री

बिहार विधानसभा चुनाव : पहले चरण में रिकार्ड 64.46 फीसदी मतदान

■ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विस्तृत जानकारी दी

पटना ए.। बिहार विधान सभा आम निर्वाचन के लिए प्रथम चरण का मतदान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस बार बिहार में मतदाताओं में जबरदस्त उत्साव देखने को मिला। पहले चरण के मतदान में रिकार्ड 64.46 प्रतिशत वोटिंग हुई। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन, 2020 में राज्य का औसत मतदान प्रतिशत 57. 29 तथा लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 में यह 56.28 था। बढ़े हुए मतदान प्रतिशत को लेकर राजनीतिक दलों का अलग अलग दावा है। इस बीच बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने मतदान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि इस बार पिछले चुनाव की अपेक्षा 3 फीसदी मतदान बढ़ गया है। निर्वाचन लड़ने के लिए कुल उम्मीदवारों की संख्या-1314 रही जिसमें 1192 पुरुष तथा 122 महिला उम्मीदवार रहे। जिसमें मतदान केन्द्रों की कुल संख्या-45341 तथा मतदान केन्द्र स्थलों की कुल संख्या 23554 है। प्रथम चरण में विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल मतदाताओं की संख्या-37513302 है, जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या-19835325 तथा महिला मतदाताओं की कुल संख्या-17677219 है। 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या-209177 है।

प्रथम चरण विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल मतदान केन्द्रों की संख्या-45341 थी, जिसमें 8608 मतदान केन्द्र शहरी क्षेत्र में तथा-36733 मतदान केन्द्र ग्रामीण क्षेत्र में थे। निर्वाचन लड़ने के लिए कुल उम्मीदवारों की संख्या-1314 रही जिसमें 1192 पुरुष तथा 122 महिला उम्मीदवार रहे। पिछले आंकड़ों में 1951-52 के लोक सभा चुनाव में 40.35 मतदान हुआ था, जबकि बिहार विधान सभा चुनाव में 42.6 फीसदी मतदान हुआ था। वहीं 1998 में 64.6 फीसदी मतदान हुआ था जबकि वर्ष 2000 में 62.57 फीसदी मतदान हुआ था।

मंत्रालय महानदी भवन में मनाया गया स्मरणोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज मंत्रालय महानदी भवन में वंदे मातरम् स्मरणोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंत्रालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया।

कार्यक्रम के दौरान नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी देखा गया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में वंदे मातरम् को देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बताया तथा देशवासियों से राष्ट्रभक्ति की भावना को सदैव जीवित रखने का आह्वान किया। यह उत्सव एक वर्ष तक 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने

इस अवसर पर स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया। उन्होंने कहा कि वंदेमातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि मां भारती के प्रति आराधना है।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत के सुरों से हुई, जिसके पश्चात् वक्ताओं ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के समय जन-जन में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करने वाला प्रेरणास्रोत रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में वंदे मातरम का सामूहिक गायन कर राष्ट्र के प्रति अपनी आस्था और समर्पण की भावना व्यक्त की।

आवारा पशुओं को सड़कों से हटाएं : सुको

■ एक अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों व एनएचएआई को दिया निर्देश

नईदिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अहम निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि सभी आवारा पशुओं को सड़कों, राज्य के हाईवे और राष्ट्रीय राजमार्गों से हटाया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लेकर राज्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और नगरपालिकाओं को भी निर्देश जारी किया है। इतना ही नहीं कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आवारा पशुओं को हटाने के लिए हाईवे निगरानी टीमें बनाई जाएं जो उन्हें पकड़ कर सड़कों से हटाएगी और शेल्टर होम्स में रखेगी।

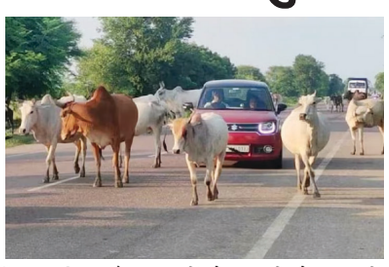

शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में आगे आवारा कुत्तों के मुद्दे पर भी आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, बस और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें शेल्टर होम में जगह दी जाए। साथ ही उन्हें टीकाकरण के बाद भी उसी इलाके में न छोड़े जाने के निर्देश दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों-जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान कुत्तों के काटने के मामलों में चौंकाने वाली बढ़ोतरी की बात कही और आदेश दिया कि अधिकारी आवारा कुत्तों को पकड़ने के बाद उन्हें शेल्टर में टीके दिए जाएं। इसके बाद उन्हें पुरानी जगहों पर न छोड़ा जाए। इसके अलावा सार्वजनिक जगहों पर आवारा कुत्तों के दोबारा न घुसने देने के इंतजाम भी तय हों। कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 13 जनवरी को करेगी।

बिल्कुल कटने चाहिए फर्जी वोटरों के नाम

श्रीकंचनपथ

हम मतदाता सूची के स्पेशल इंटेसिव रिवीजन से बिल्कुल सहमत हैं। सरकार को बिल्कुल पता होना चाहिए कि वास्तविक मतदाता कितने है। यह भी पता होना चाहिए कि कितने लोग बिना नागरिकता के या बिनी किसी गिनती में आए देश में रह रहे हैं। पर थोड़ा शब्दावली को लेकर भी सचेत होने की जरूरत है। जो लोग मर गए हैं या माइग्रेट होकर कहीं और रहने के लिए चले गए हैं, उनका नाम कटना ही चाहिए पर उन्हें फर्जी मतदाता तो न कहें। सार्वजनिक क्षेत्र या केन्द्र सरकार की नौकरी करने वाले अधिकांश लोग अवकाश प्राप्त करने के बाद अपने गृहनगर चले जाते हैं। उनका नाम वहां की मतदाता सूची में होना चाहिए। अर्थात कहीं मतदाताओं की संख्या बढ़ेगी तो कहीं घटेगी।यह भी हो सकता है कि जितने लोग बाहर चले गए, उतने ही लोग वापस भी आ गए। अगर कुछ लोग मरते हैं तो बड़ी संख्या में नए वोटर भी तो शामिल होते हैं। अभी तक तो देश को यही नहीं पता कि कितने नवयुवाओं ने वोटर लिस्ट में अपना नाम अब तक शामिल नहीं करवाया है। हमें आपत्ति है उस भाषा से जो यह संकेत देती प्रतीत होती है कि लोग फर्जी तरीके से मतदान कर रहे थे। अगर कोई विदेशी नागरिक लंबे समय से भारत में रह रहा है। उसके पास राशन कार्ड भी है, जन्म प्रमाण पत्र भी और आधार कार्ड भी तो उसे फर्जी होते हुए भी फर्जी कहना मुश्किल होगा। कुछ समय पहले तक इतना तो पार्षदों की कृपा से ही हो जाया करता था। इसलिए जब कोई नेता यकीन के साथ कहता है कि वोटरों की संख्या 50 हजार या एक लाख तक कम हो जाएगी तो संदेह होता है। आखिर इस आंकलन का आधार क्या है? जब वो ऐसा बोलते हैं तो सुबह शाम की चाय के साथ राष्ट्रीयता की चुस्की लेने वालों को अनायास लगने लगता है कि बात अल्पसंख्यकों की हो रही है। एक तरह से यह एक आपत्तिजनक बयान है जिसका विरोध होना चाहिए।दिक्कत और भी है।बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वहां मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराया गया। ड्राफ्ट रोल में 65 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। दावा आपत्ति आने के बाद अंतिम मतदाता सूची में पहले के मुकाबले 47,77,487 मतदाता घट गए। यहां एक सामान्य मनोविज्ञान को समझना होगा।देश की युवा पीढ़ी में जितने भी करियरिस्ट हैं, उनमें चुनाव को लेकर कोई उत्साह नहीं है। इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि हायर सेकेण्डरी पास करने वालों और उसके दो या तीन साल के भीतर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने वालों की संख्या अलग अलग होती है। अगर इनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं आए और उन्हें अतिरिक्त पापड़ बेलना पड़ा तो बड़ी संख्या में युवा इसमें ज्यादा सिर नहीं खपाने वाले।अगर ऐसा हुआ तो एसआईआर अपने उद्देश्य से ही भटक जाएगा।

संपादकीय

आत्मघात की मजबूरी

सरकार-शिक्षण संस्थानों की जवाबदेही तय हो

यह तथ्य हृदयविदारक ही है कि देश में एक साल के दौरान करीब चौदह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। पहली नजर में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? विडंबना यह है कि देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन तंत्र को अपने परिसर में समता, ममता और सहजता का वातावरण तैयार करना होगा। जहां किसी भी तरह तनाव, मानसिक कष्ट व भेदभाव नजर न आए और कारगर शिकायत निवारण तंत्र विकसित हो। ऐसा न होने पर ही सरस्वती के मंदिरों में तनाव की फसल उग रही है। हमारे नीति-नियंता इस दुखदायी स्थिति पर अंकुश लगाने हेतु किसी तरह की गंभीर पहल करते नजर नहीं आते। यदि गाल बजाने वाले राजनेता कोई कदम उठाने की लोकलुभावनी घोषणा करते भी हैं तो भी जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। घोषणाएं प्रभावी भी होनी चाहिए।

> शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन तंत्र को अपने परिसर में समता, ममता और सहजता का वातावरण तैयार करना होगा। जहां किसी भी तरह तनाव, मानसिक कष्ट व भेदभाव नजर न आए और कारगर शिकायत निवारण तंत्र विकसित हो।

सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। दुखद स्थिति यह भी है कि देश में छात्रों के आत्मघात के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, इसकी पुष्टि खुद राष्ट्रीय अपराध रेकॉर्ड ब्यूरो भी कर रहा है। जो साल 2023 में देश की शिक्षण संस्थाओं में 13,892 छात्रों की मौत को गले लगाने की बात स्वीकार करता है। सबसे दुखद स्थिति यह है कि यह संख्या पिछले एक दशक में पैंसठ प्रतिशत बढ़ी है। वहीं इस आंकड़े की तुलना यदि वर्ष 2019 से करें तो यह वृद्धि चौंतीस फीसदी दर्ज की गई है। जाहिर बात है कि यह वृद्धि छात्रों की मानसिक पीड़ा, हताशा और भविष्य के प्रति निराश होने की स्थिति को ही दर्शाती है। निश्चित रूप से हमारी शिक्षा की विसंगतियां भी इन आत्महत्याओं के मूल में हैं। देश में भाषा व बोर्ड स्तर पर पाठ्यक्रम व शिक्षण की स्थिति में खासा अंतर है।

पैसे वालों के बच्चे महंगे स्कूलों में पढ़ते हैं। रही-सही कसर उनके महंगे कोचिंग सेंटरों द्वारा पूरी की जाती है। हिंदी माध्यम से पढ़ने वाले छात्रों की सारी ऊर्जा अपने ज्ञान को अंग्रेजी में ट्रांसलेट करने में चली जाती है। कालांतर में वे उच्च शिक्षा संस्थानों में हीनग्रंथि का शिकार हो जाते हैं। ऐसी तमाम ग्रंथियां छात्रों को अपराधबोध से भर देती हैं। पढ़ाई के दबाव के अलावा शिक्षा संस्थानों के परिसर में हिंसा और जातिगत भेदभाव की खबरें भी आती हैं जो संवेदनशील छात्रों को हताशा से भर देती हैं। निश्चय ही सजगता व संवेदनशीलता से ऐसी परिस्थितियों से छात्रों को बचाया सकता है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में शिक्षण संस्थानों और सरकार को जरूरी दिशानिर्देश दिए हैं। निस्संदेह, देश के युवाओं में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

फिर भी भारत के श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन की आवश्यकता

भारत का कार्य जगत एक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। देश की श्रमशक्ति को लिखित अनुबंधों, पर्याप्त मजदूरी और व्यापक सामाजिक सुरक्षा द्वारा समर्थित औपचारिक रोजगार में तेजी से जगह मिलनी चाहिए ताकि विकास के लाभ सभी के लिए सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण आजीविका में बदल सकें। पुराने विनियामक ढांचों के बने रहने के चलते, आंशिक रूप से, औपचारिकीकरण की गति और उद्यमों की सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण नौकरियां सृजित करने की क्षमता सीमित हो गई है। वर्ष 2019 और 2020 के बीच संसद द्वारा मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कामकाज की स्थितियों के संबंध में पारित चार श्रम संहिताएं 2002 में रवींद्र वर्मा की अध्यक्षता वाली द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग द्वारा परिकल्पित लंबे समय से लंबित सुधारों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

एस.पी. तिवारी

इस श्रम आयोग का मिशन तत्कालीन मौजूदा श्रम ढांचे को संहिताबद्ध, सरल और संशोधित करना था। ये नई संहिताएं देश के श्रम परिदृश्य को आधुनिक बनाने और संरचनात्मक असंतुलनों को दूर करने हेतु एक व्यापक ढांचा प्रदान करती हैं। सभी राज्यों में इनका एकसमान कार्यान्वयन अब एक बेहद जरूरी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है।

ये नई संहिताएं 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को सरल और आधुनिक बनाती हैं। इन कानूनों में से कई बीसवीं सदी के मध्य के हैं। इन संहिताओं का उद्देश्य न केवल कानूनों का विलय करना है, बल्कि श्रमिकों/कर्मचारियों की विभिन्न परिभाषाओं को एक सरल परिभाषा में बदलना भी है। प्रत्येक संहिता श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सुदृढ़ करती है और साथ ही नियोक्ताओं के लिए स्पष्टता और पूर्वानुमेयता प्रदान करती है।

उचित मजदूरी और श्रम की गरिमा

वेतन संहिता, 2019 प्रत्येक श्रमिक को श्रम की गरिमा का सम्मान करने वाला वेतन सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन और एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन लागू करके, यह संहिता इस बात की गारंटी देती है कि कोई भी श्रमिक, चाहे वह किसी भी पेशे या स्थान से जुड़ा हो, एक बुनियादी मानक आय से वंचित नहीं रहेगा। उद्योग की अनुसूची को समाप्त करने से सार्वभौमिक वेतन का मार्ग प्रशस्त होता है। समय पर भुगतान के प्रावधानों को मजबूत किया गया है। इससे देरी की वह समस्या दूर हुई है, जो पहले परिवारों को कर्ज में धकेल देती थी। अब कर्मचारी अप्रदत्त वेतन या बोनस का दावा आसानी से कर सकते हैं और ऐसे विवादों में सबूत पेश करने का भार नियोक्ता पर होता है, जिससे जवाबदेही बढ़ती है। साथ ही, यह संहिता उद्यमों के लिए अनुपालनों को सुव्यवस्थित करती है। इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड-कीपिंग, एकल पंजीकरण एवं एकीकृत रिटर्न कागजी कार्रवाई को कम करते हैं और हेरफेर की आशंकाओं को घटाते हैं।

सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 आजाद भारत में कल्याण के सबसे समावेशी विस्तारों में से एक है। कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम और मातृत्व लाभ अधिनियम सहित नौ प्रमुख कानूनों को एकीकृत करके, यह संहिता एक ऐसी एकीकृत प्रणाली स्थापित करती है जो पारंपरिक और भविष्य के कार्य, दोनों को कवर करती है।

यह पहली बार है जब गिग श्रमिकों, प्लेटफॉर्म श्रमिकों और असंगठित क्षेत्र के लोगों को स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय श्रमशक्ति का हिस्सा माना गया है। प्रत्येक श्रमिक को ई-श्रम पोर्टल के जरिए पंजीकृत किया जाएगा और एक विशिष्ट सामाजिक सुरक्षा संख्या प्रदान की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और मातृत्व सहायता जैसे लाभों का सीधा वितरण संभव हो सकेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय व राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष बनाए जायेंगे कि ऐप-आधारित डिलीवरी पार्टनर या निर्माण कार्यों में संलग्न मजदूर जैसे श्रमिक भी अब सुरक्षा के दायरे से बाहर न रहें और निधियों का समग्र प्रबंधन संभव हो।

इस संहिता में करियर केन्द्र, डिजिटल एवं भौतिक प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं जो व्यावसायिक मार्गदर्शन, परामर्श और रोजगार सेवाएं प्रदान करेंगे। यह संस्थागत समर्थन कल्याण को बहु-रोजगार क्षमता से जोड़ेगा, जिससे श्रमिकों को असुरक्षा की स्थिति से निकलकर अवसर की दिशा में बढ़ने में मदद मिल सकेगी।

कार्यस्थल पर सुरक्षा, गरिमा और समानता

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियां संहिता, 2020 (ओएसएच संहिता), राष्ट्र निर्माण करने वालों की देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी का एक संदेश है। प्रतिष्ठान की परिभाषा को व्यापक बनाकर, यह संहिता उन लाखों लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है जो पहले सुरक्षा कानूनों के दायरे में नहीं आते थे। यह श्रमिकों के नि:शुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच को अनिवार्य करती है और नियोक्ताओं से कर्मचारियों पर कोई वित्तीय बोझ डाले बिना सुरक्षित एवं स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने की अपेक्षा करती है। राष्ट्रीय व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सलाहकार बोर्ड का गठन बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मानकों का विकास सुनिश्चित करता है। ओएसएच संहिता लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति सुनिश्चित करती है। महिला श्रमिकों को सभी प्रतिष्ठानों और रात्रि पाली में काम करने की अनुमति है, बशर्ते पर्याप्त सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। इससे अधिक संख्या में महिलाओं को श्रम बल में शामिल होने व बने रहने का अधिकार मिलता है। प्रवासी श्रमिकों को भी एक राष्ट्रीय पंजीकरण प्रणाली के जरिए मान्यता हासिल होती है। इससे कल्याणकारी योजनाओं और आवागमन संबंधी लाभों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित होती है और बेहतर जीवन एवं आजीविका सुनिश्चित करने हेतु कानूनी ढांचे की निगरानी संभव होती है।

कैंटीन और शौचालय जैसी सुविधाएं अब निचले पायदान तक अनिवार्य हैं और ऐसे प्रावधानों के निर्धारण के क्रम में ठेका श्रमिकों को भी शामिल किया जाता है। ये उपाय न्यूनतम अनुपालन से हटकर श्रमिकों के कल्याण के प्रति वास्तविक चिंता की दिशा में होने वाले बदलाव को दर्शाते हैं।

संवाद और औद्योगिक सद्भाव

औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच संबंधों में स्पष्टता लाती है और एक एकीकृत ढांचे के साथ तीन पुराने अधिनियमों की जगह लेती है। इसके तहत बीस या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के लिए शिकायत निवारण समितियां स्थापित करना अनिवार्य है ताकि विवादों के हड़ताल या मुकदमेबाजी में बदल जाने से पहले ही उनका शीघ्र समाधान उद्यम स्तर पर सुनिश्चित हो जाए।

ट्रेड यूनियनों को एक समझौतावादी संघ या परिषद की अवधारणा के जरिए मान्यता हासिल होती है, जिससे सामूहिक सौदेबाजी को बल मिलता है और श्रमिकों को अपने कार्यस्थल को आकार देने में एक प्रभावी भागीदारी हासिल होती है। छंटनी का सामना कर रहे श्रमिक अब 30 दिन का नोटिस और पर्याप्त मुआवजा पाने के हकदार हैं। यह एक मानवीय सुधार है, जो आजीविका की सुरक्षा का सम्मान करता है। छंटनीग्रस्त श्रमिकों के लिए एक पुन: कौशल निधि (रिस्किलिंग फंड) की स्थापना एक दूरदर्शी दृष्टिकोण का संकेत देती है, जो बदलती अर्थव्यवस्था में सीखने और अनुकूलनशीलता को महत्व देती है। हड़ताल के अधिकार से संबंधित प्रावधानों पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। बंदी या तालाबंदी की आसान मंजूरी के लिए उद्योगों के लिए श्रमिकों की सीमा को बढ़ाकर 300 तक करने के प्रावधान पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए।

इस संहिता द्वारा औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त निश्चित अवधि का रोजगार, उद्योग जगत को लचीलापन प्रदान करता है और साथ ही नियमित कर्मचारियों के समान वेतन और ग्रेच्युटी सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों में समानता की गारंटी देता है। यह कदम आधुनिक अर्थव्यवस्था की जरूरतों और उसमें काम करने वालों के औचित्य एवं सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करता है।

कार्यान्वयन अब क्यों जरूरी

विभिन्न विकासशील देशों से मिले साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि श्रम सुधारों ने आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बढ़ते टैरिफ और व्यापार के बदलते पैटर्न से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलावों की पृष्ठभूमि में, भारत को अपने नए श्रम कानूनों को तत्काल लागू करना जरूरी है। सरल एवं पारदर्शी कानून निवेश को आकर्षित करेंगे, औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देंगे और श्रमिकों की गरिमा को बनाए रखेंगे। समय पर अधिसूचना भारत को विकसित देशों का दर्जा दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। एक ऐसे दौर में जब स्वचालन और डिजिटलीकरण पारंपरिक नौकरियों के खत्म हो जाने का खतरा पैदा कर रहे हैं, ये संहिताएं संतुलित विकास का एक ऐसा ढांचा प्रदान करती हैं जो तकनीकी प्रगति के बावजूद मानवीय गरिमा को बनाए रखता है। सभी राज्यों में इनके कार्यान्वयन से एक समान मानक बनेंगे, अस्पष्टता कम होगी और नौकरियां आसानी से सुलभ होंगी।

आगे की राह

ये चार संहिताएं एक ऐसे आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की महत्वाकांक्षा की रीढ़ हैं, जो आर्थिक गतिशीलता और सामाजिक न्याय के बीच समन्वय सुनिश्चित करता है। ये संहिताएं निरीक्षकों को सुविधाप्रदाता में बदल देती हैं, पुराने एवं परस्पर विरोधी कानूनों को स्पष्ट व सुसंगत कानूनों से बदल देती हैं और श्रमिकों के कल्याण को आर्थिक नीति के केन्द्र में रखती हैं। कुछ शर्तों के साथ इन सुधारों की भावना केवल एकीकरण में ही नहीं, बल्कि करुणा में भी निहित है। ये सुधार यह सुनिश्चित करते हैं कि कारखाने से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक, हर कर्मचारी को सम्मान, सुरक्षा और संरक्षा मिले। श्रमिकों के लिए, ये सुधार निष्पक्षता और अवसर का वादा करते हैं। इसलिए, इन संहिताओं को शीघ्रता और एकरूपता के साथ लागू करना न केवल प्रशासनिक तात्कालिकता, बल्कि राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का भी विषय है ताकि एक ऐसी अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा सके जहां विकास सबका साझा हो, काम का सम्मान हो और भारत की प्रगति में योगदान देने वाले हर हाथ की रक्षा हो एवं उनके जीवनयापन में आसानी हो।

(राष्ट्रीय महासचिव, ट्रेड यूनियन कोआर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी)

भारत परिपक्व और व्यावहारिक नजरिया अपनाएं

रुबियो ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव है, इसलिए अमेरिका के पाकिस्तान से गहराते रिश्ते पर भारतीय चिंता को वे समझते हैं। मगर उन्होंने सलाह दी कि भारत 'परिपक्व' और 'व्यावहारिक नजरिया' अपनाए। जिस रोज डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर की तारीफ करते हुए उन्हें 'महान व्यक्ति' बताया, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत को दिलासा दी कि पाकिस्तान के साथ अमेरिका का रिश्ता भारत से संबंधों की कीमत पर नहीं होगा। रुबियो ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव है, इसलिए अमेरिका के पाकिस्तान से गहराते रिश्ते को लेकर भारतीय चिंता को वे समझते हैं। मगर उन्होंने सलाह दी कि भारत 'परिपक्व' और 'व्यावहारिक' नजरिया अपनाए। कहा- 'देखिए, भारत के कई ऐसे देशों के साथ संबंध हैं, जिनसे हमारा रिश्ता नहीं है। अत: यह (अमेरिका- पाकिस्तान संबंध) परिपक्व एवं व्यावहारिक विदेश नीति का हिस्सा है।' रुबियो ने कहा कि पाकिस्तान से रणनीतिक संबंध के विस्तार को अमेरिका अपने लिए एक अवसर मानता है। यह अवसर क्या है, यह उन्होंने नहीं बताया। मगर संभवत: ट्रंप प्रशासन मानता है कि मध्य एशिया में अपनी पहुंच को गहराई देने तथा दक्षिण एवं मध्य एशिया में चीन की रणनीतिक बढ़ी पकड़ को नियंत्रित करने के लिहाज से पाकिस्तान का महत्व है, जिसका अधिकतम लाभ उसे उठाना चाहिए। बहरहाल, भारत की विदेश नीति को यह ऐसा झटका है, जिसकी भरपाई रुबियो की बातों से नहीं हो सकती। इस सदी में तमाम भारतीय सरकारों ने अमेरिका से रणनीतिक निकटता बनाने को तरजीह दी, तो इस नीति में पाकिस्तान को पश्चिम में अलग-थलग करना प्रमुख मकसद रहा है। इसके बदले भारत चीन को नियंत्रित करने की पश्चिमी देशों की प्राथमिकता में सहायक बनने (जिससे भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के हित भी सधते हैं) को तैयार हुआ। शुरुआत में यह नीति कारगर होती दिखी। मगर ट्रंप प्रशासन ने सारे समीकरण उलट-पुलट दिए हैं। उसकी चुभन भारत को महसूस हुई है। अमेरिकी रणनीति में पाकिस्तान को मिली अहमियत से भारतीय मनोविज्ञान आहत हुआ है। रुबियो ने जो कहा है, उसका अर्थ यह है कि पाकिस्तान को महत्व देना ट्रंप प्रशासन की सुविचारित नीति है, जिसमें फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है।

महिलाओं को लेकर समाज और राजनीतिक दलों के सोच में सकारात्मक बदलाव

अजय दीक्षित

महिलाओं को लेकर राजनीतिक दलों में पिछले एक दशक से सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। राजनीतिक दलों में सबसे पहले 2006 मप्र के मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह ने लाडली लक्ष्मी, कन्यादान योजना का आयोजन किया। शिवराज सिंह चौहान दर्शन विज्ञान के छात्र रहे हैं।इन योजनाओं के चलते 2008 के मप्र विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी 05 साल की सत्ता विरोधी लहर के बाबजूद जीत गई और अप्रत्याशित रूप से सत्ता में बापिस करली । लेकिन तब तक राजनीति दल शिवराज सिंह की इस गहरी चाल को भांप नहीं पाए थे। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने 2013 के मप्र विधानसभा चुनाव में जननी सुरक्षा, संबल योजना, विधवा पेंशन योजनाओं को चला दिया और मोदी लहर के शुरुआत का सहारा लेकर जीत हासिल की तब देश के राजनीतिक दलों ने खोज खबर ली कि मप्र में ये क्या हो रहा है।

सभी राजनीतिक विशेषज्ञ इस बात से हैरान थे कि भारतीय जनता पार्टी ने तीसरी बार सरकार बनाई थी और वह भी दो तिहाई बहुमत से जीत हुई थी। और उसे 45.2 फीसदी मत मिला था। इधर तमिलनाडु में जयललिता ने अम्मा कैंटीन चला कर 2015 के चुनाव में जीत हासिल की । मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने 2023 के विधानसभा चुनावों में तो भारत वर्ष का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार ईजाद कर दिया लाडली बहना जिसके तहत प्रत्यक वर्ग, जाति, समुदाय, धर्म की महिलाओं को एक सिस्टम के तहत हर महीने 1250 रुपए सीधे उसके खाते में डाल कर चुनाव में 162 सीट लाकर कमाल कर दिया और 25 वर्ष तक मप्र में भारतीय जनता पार्टी की सत्ता तय कर दी। बताया जाता है कि शिवराज सिंह के इस फैसले से उनकी अपनी पार्टी और केंद्र सरकार भी खुश नहीं थी।मगर चुनाव परिणाम आने पर सब हतप्रभ रह गए। भारतीय जनता पार्टी ने 48 फीसदी वोट हासिल किए थे। जबकि चुनाव से पहले भोपाल से दिल्ली तक मप्र में कांग्रेस सरकार आने का हल्ला मचा हुआ था।

अब तो महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा,के चुनावों सीधे महिलाओं को 1500 से 2000 रुपए महीने देना शुरू कर दिए और सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी जीत गई । हालांकि नीतीश कुमार ने भी 2020 के चुनाव महिलाओं के लिए काफी घोषणाएं की थी । झारखंड में तो जेएमएम के हेमंत सोरेन ने हरा हुआ चुनाव मैया योजना से जीत लिया क्योंकि उन्होंने जेल से रिहा होकर मुख्यमंत्री बन महिलाओं के खाते में सीधे 7500, रुपए महीने डाल दिए और भारतीय जनता पार्टी को उसके दाव से ही हरा दिया।अब बिहार में तो नीतीश कुमार ने महिलाओं को 100 रूपये घूस जैसे दिए हैं। बिहार चुनाव में लोग दावा कर रहे हैं कि यही कारण से एनडीए सत्ता में लौट रहा है। हरियाणा में तो भारतीय जनता पार्टी ने तिगड़ी लगा दी। अब महिलाओं के जनधन खाते राजनीतिक हथियार बन चुके हैं और इसमें सत्ता रूढ़ पार्टी सत्ता विरोधी लहर से बच जाती है।पूरे देश में राजनीतिक दलों में मंथन चल रहा है कि इस मामले में क्या किया जाय।

आजादी से पहले और बाद में भी समाज में नारी का पुरुष प्रधान समाज में बस अस्तित्व ही था और नारी को उपभोग और बच्चे पैदा करने के रूप में ही जाना जाता था।समाज ने नारी को कुलटा, देवदासी, वैश्या,यहां तक कि डायन तक कहा । राजे रजवाड़े हजारों स्त्रियां अपनी रखैल के रूप में रखते थे। इतना ही नहीं सती भी एक यातना ही थी। विधवा का जीवन तो नरकीय था ही उसे यौन शोषणों का शिकार बनाया जाता था।आजादी के बाद भी बालिकाओं का जन्म बहुत ही अशुभ माना जाता था हालांकि जो शोषण कर्ता पुरुष नारी की कोख से जन्म लेता है। एनी विसेंट, सरोजनी नायडू, सुषमा स्वराज, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी, जयललिता, शीला दीक्षित होना कोई आसान नहीं था। सनातनी धर्म काव्य,ग्रन्थ महिलाओं के विषय में गौरतलब संदेश देते हैं।

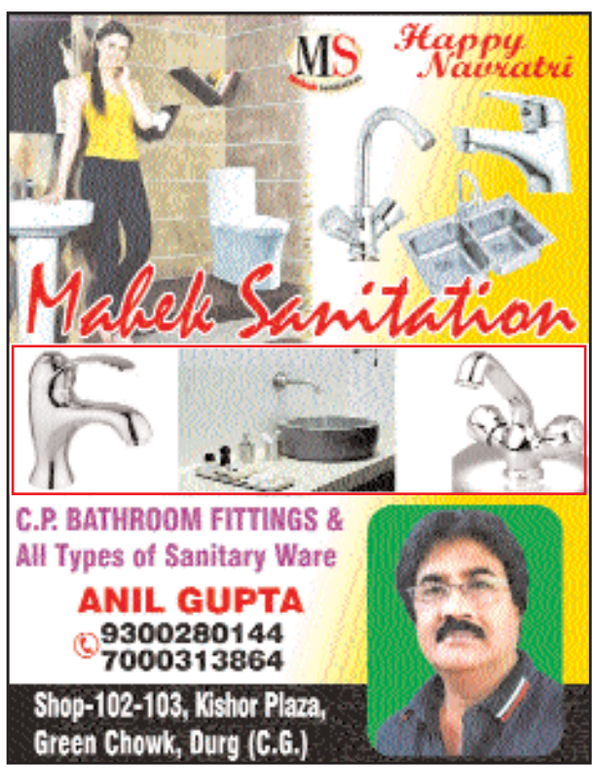

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

साध्वी समुदाय का चातुर्मास का अंतिम प्रवचन

दुर्ग। चातुर्मास में ज्ञान ध्यान त्याग तपस्या जप अनुष्ठान की अलख जगाने वाले साध्वी समुदाय का कल अंतिम प्रवचन हुआ। चातुर्मास में विशेष सहयोग करने वाले नेमीचंद चोपड़ा, नवीन संचेती नितिन संचेती सूरजमल कांकरिया का अभिनंदन किया गया। जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब में आयोजित धर्मसभा में श्रमण संघ महिला मंडल एवं जय आनंद मधुकर रतन पाठशाला के बच्चों ने गीतों से भावनात्मक प्रस्तुति दी। कृतज्ञता सभा में निर्मल बाफना प्रवीण श्रीश्रीमाल पारसमल संचेती नीलम बाफना दिनेश बाफना यश चंचल रतन बोहरा रचिता श्रीश्रीमाल प्रकाश रतन बोहरा ने भी अपने भाव रखे। जप अनुष्ठान में स्वध्यायी श्रीमती किरण देवी संचेती का 79 उपवास की उग्र तपस्या पर अंतिम दिवस पर अभिनंदन किया। साध्वी समुदाय श्रमण संघ परिवार के सदस्यों के साथ पहुंच कर उनके आपापुरा निवास में मंगल पाठ सुना कर भिक्षा ग्रहण की। संचालन संघ के मंत्री राकेश संचेती तथा टीकम छाजेड़ ने किया। संघ के अध्यक्ष धर्मचंद लोढ़ा ने संघ के उत्थान और अधिक समर्पण लाने अपने भाव व्यक्त किया।

जेसीआई दुर्ग-भिलाई को राष्ट्रीय स्तर पर मिला गौरव

दुर्ग। 1 और 2 नवंबर को बरगढ़ यूनाइटेड द्वारा आयोजित जोनकॉन 2025 के दौरान जेसीआई दुर्ग-भिलाई को दो नेशनल अवार्ड्स एवं दो जोन के सर्वोच्च सम्मान सहित कुल 13 अवार्ड्स से नवाजा गया। संस्था के अध्यक्ष जेसी आलोक अग्रवाल ने बताया कि जेसीआई दुर्ग-भिलाई को नेशनल अवार्ड आउटस्टैंडिंग एलओ फॉर ऑर्गनाइजिंग जेसी वीक इन जोन 9 और बेस्ट जूनियर प्रेसिडेंट अवार्ड शब्द आलोक अग्रवाल को प्राप्त हुए हैं। संस्था को जोन 9 की सर्वोच्च प्लैटिनम ट्रॉफी तथा एम्पॉवरिंग यूथ, ग्रोथ एंड डेवलपमेंट, आउटस्टैंडिंग जेसी वीक, पीआर स्टार, वन लोम वन स्कूल सहित 13 अवार्ड्स प्रदान किये गये। पास्ट प्रेसिडेंट सुरेंद्र खेतान ने कहा कि यह सफलता पूरी टीम की है। टीम अरोमा की ओर से सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई दी गई और यह संकल्प लिया गया कि आने वाले वर्षों में जेसीआई दुर्ग-भिलाई नई ऊँचाइयाँ छुएगा। पुरस्कार वितरण के साथ ही वर्ष 2026 के लिए जोन 9 की प्रेसिडेंट जेसी आरती मित्तल और जोन 27 के प्रेसिडेंट जेसी प्रणव लाठ सहित नई जोनल कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई।

पूर्व व्याख्याता जीडी कौशल के नेत्रदान से दो लोगों की जिन्दगी में लौटेगी रौशनी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। बीएसपी स्कूलों में व्याख्याता एवं प्राचार्य रहे श्री जीडी कौशल ने मरणोपरांत नेत्रदान की घोषणा की थी. उनके निधन के पश्चात पत्नी चंद्रकांता कौशल, पुत्री अनीता, सीमा, निधि एवं दामाद हर्ष की सहमति से उनके नेत्रदान की औपचारिकता सम्पन्न की गई।

नवदृष्टि फाउंडेशन के राजेश पारख, जितेंद्र हासवानी, कुलवंत भाटिया, प्रभु दयाल उजाला ने नेत्रदान प्रक्रिया में सहयोग किया। श्री शंकराचार्य हॉस्पिटल के डॉ संदीप बचकर एवं डॉ निवेश ने कॉर्निया कलेक्ट किया।

राजेश पारख ने कहा कि श्री कौशल उनके गुरु एवं पिता तुल्य रहे। वह हिर्री माइंस में प्रिंसिपल रहे। सेक्टर 7, 8 , 10 स्कूल में व्याख्याता रहे। 1960 और 70 के दशक में विक्रम विश्वविद्यालय, ग्वालियर, सीनियर मध्य प्रदेश और बीएसपी वॉलीबॉल पुरुष टीम के लिए खेले। छत्तीसगढ़ सरकार से विनोद चौबे पुरस्कार प्राप्त किया. सेवा निवृति के पश्चात केपीएस समूह में 8 वर्षों तक

सलाहकार भी रहे। जाते-जाते भी नेत्रदान के माध्यम से समाज को प्रेरणा दे गए।

पत्नी चंद्रकांता ने कहा कि इस दु:ख की घडी में उनके नेत्रदान से दो परिवारों का कल्याण होगा। हमें संतुष्टि है एवं पति के जीवन पर गर्व है।

पुत्री अनीता ने कहा पापा का जीवन हर पल कुछ न कुछ सिखाता था। नेत्रदान कर वे एक बड़ी सीख दे गए।

नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, मंगल अग्रवाल, हरमन दुलई, रितेश जैन, जितेंद्र हासवानी, किरण भंडारी, उज्जवल पींचा, सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, राजेश पारख, पीयूष मालवीय, दीपक बंसल, विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ, सपन जैन, यतीन्द्र चावड़ा, जितेंद्र कारिया, बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख, मोहित अग्रवाल, चेतन जैन, दयाराम टांक, विनोद जैन, राकेश जैन ने स्व. श्री कौशल को श्रद्धांजलि दी और कौशल परिवार को साधुवाद दिया।

बिजली के खंभों पर नहीं लटकेंगे नेता-चमचों के मुस्कुराते हुए चेहरे

विधायक, महापौर की उपस्थिति में लिया गया निर्णय

प्रचार के लिए निगम की पूर्वानुमति होगी जरूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई शहर की सुन्दरता में एक दाग की तरह दिखने वाले तीज त्यौहार एवं जन्मदिन उत्सव के छोटे-बड़े बैनर-पोस्टर अब नहीं लगाये जायेंगें। पूर्व से लगे शासकीय भवन, विद्युत पोल, दिशा सूचक के पोस्टर हटाये जायेंगे। अब निगम के अनुमति से ही युनिपोल पर अथवा निर्धारित स्थल पर बेनर-पोस्टर लगाने की अनुमति होगी। विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिया गया।

शहर में लगाये गये डिजाइनर विद्युत पोल तथा बड़े दिशा सूचक गेट एवं अन्य शासकीय भवनों में तीज त्यौहार अथवा जन्मदिन के बधाई का बेनर-पोस्टर लगाकर शहर की सुन्दरता को खराब

करने वाले कार्य अब निगम भिलाई क्षेत्र में नहीं होंगे।

विधायक रिकेश सेन ने अधिकारियों से कहा कि शहर के विकास के लिए जरूरी प्रस्ताव तत्काल तैयार कर लें। प्रक्रिया का पालन कर स्वीकृति के लिए शासन को प्रेषित करें। वहीं निगम का नवीन कार्यालय भवन निर्माण की दिशा में सारी औपचारिकता पूर्ण कर निर्माण का रास्ता प्रशस्त करें।

महापौर ने बताया कि सांसद विजय बघेल एवं भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव ने भी चर्चा के दौरान इस पर अपनी सहमति व्यक्त की है कि शहर की सुन्दरता के लिए अन्य प्रदेशों के निगम इस तरह की अनुमति प्रदान नहीं करता है, यह कार्य भिलाई में भी किया जा सकता है।

आयुक्त ने सभी जोन आयुक्तों से कहा है कि अपने जोन क्षेत्र के सामाजिक संस्था, जनप्रतिनिधि से चर्चा कर शहर की सुन्दरता में सहयोग के लिए बेनर-पोस्टर नहीं लगाने की अपील करें। आवश्यकतानुसार बैठक कर जानकारी उनसे साझा करें। बैठक में सभी जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता, सहायक राजस्व अधिकारी एवं निगम के अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पावर हाउस में अवैध कब्जों की बेदखली की गई

भिलाई। निगम के जोन-3 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत पावर हाउस वार्ड क्रं. 37 शीतला काम्पलेक्स के पास बेदखली कार्यवाही की गई। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने प्रात: भ्रमण के दौरान देखा कि दुकानदारों द्वारा शेड निर्माण कर कब्जा कर लिया गया है। मार्केट क्षेत्र की सड़कें सकरा एवं गली नुमा होने के कारण आवागमन में बाधा हो रही थी। आम नागरिको की असुविधा को देखते हुए निगम प्रशासन एवं छावनी थाना पुलिस बल की उपस्थिति में अवैध कब्जा पर बेदखली कार्यवाही की गई।

टैक्स नहीं देने वालों का काटा गया नल कनेक्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश एवं सहायक राजस्व अधिकारी थानसिंह यादव के नेतृत्व में राजस्व अमला ने जल कर एवं संपत्ति कर बकायादारों पर सख्त रुख अपनाते हुए गुरुवार को नल काटने की कार्रवाई की। राजस्व विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न वार्डों में अभियान चलाकर एक बड़े बकायादार के नल कनेक्शन काटे।

60294 रुपए बकाया होने के कारण नीलिमा मसीह का कनेक्शन काटा गया। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिन उपभोक्ताओं ने लंबे समय से टैक्स जमा नहीं किया है, उनके विरुद्ध नल कनेक्शन काटने सहित वसूली की कठोर कार्रवाई की जाए।

बता दे कि नगर निगम के सख्ती को देखते हुए करदाताओं ने नल कनेक्शन कटने के डर से 5 करदाताओं

1. रफीक खान 9314.00
2. तबरेज खान 50779.00
3. जलील अहमद 26363.00
4. कल्पना प्रसाद 28227.00

30229 रुपए जिला सहकारी बैंक द्वारा जमा किया गया। कुल वसूली राशि 144912.00 निगम के खाते में जमा किया गया।कार्रवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी थानसिंह यादव, राजस्व उप निरीक्षक संजय मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक लक्ष्य गोईर, पवन नायक, तिलक नवरंग, नितिन श्रीवास, शिवेंद्र साहू एवं नल विभाग से भारत यादव उपस्थित रहे।

बीएसपी फायर सेफ्टी क्वेस्ट में पूछे 50 प्रश्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन विभाग द्वारा 04 नवम्बर 2025 को मानव संसाधन विकास केंद्र के सभागार में फायर सेफ्टी क्वेस्ट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में संयंत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 175 गैर कार्यपालक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, आग से संबंधित खतरों और सुरक्षा उपायों की जानकारी देना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उचित एवं त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता विकसित करना था। इस ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी ने कर्मचारियों के ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को भी प्रोत्साहित किया।

प्रतियोगिता में कुल 50 प्रश्न पूछे गए। इनमें संयंत्र की अग्नि सुरक्षा, गैस सुरक्षा, बहुमंजिला इमारतों से संबंधित जोखिमों के

साथ-साथ प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों की पहचान तथा उनके सही उपयोग की विधि से जुड़े विषय शामिल थे। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार (सेलम किचन वेयर) से पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रतियोगिता मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी और मुख्य अग्निशमन अधिकारी बीके महापात्र के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी संजय धवस, अग्निशमन अधिकारी योगेश कुमार शर्मा एवं अमन कुमार का विशेष योगदान रहा।

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र जैसे विशाल औद्योगिक प्रतिष्ठान में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी का अग्नि सुरक्षा के प्रति सजग और प्रशिक्षित रहना अत्यंत आवश्यक है। आग लगने जैसी आकस्मिक घटनाओं में सतर्कता, संयम और त्वरित निर्णय क्षमता के माध्यम से न केवल जान-माल की हानि को रोका जा सकता है, बल्कि उत्पादन प्रक्रिया की निरंतरता भी सुनिश्चित की जा सकती है।

फायर सेफ्टी क्वेस्ट ने कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ ही आग की घटनाओं की रोकथाम हेतु सतर्कता, जागरूकता एवं प्रशिक्षण के प्रति जागरूक किया।

महापौर ने लॉटरी से निकाले प्रधानमंत्री आवास योजना के 11 हितग्राहियों के नाम

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (एएचपी घटक) के तहत नगर निगम क्षेत्र की चार प्रमुख साइट गणपति विहार, सरस्वती नगर, गोकुल नगर एवं मां कर्मा में निर्मित आवासों को शीघ्र भरने की प्रक्रिया जारी है। आकर्षक डिज़ाइन और कम कीमत में शहर के भीतर बने ये मकान नागरिकों के बीच खासा उत्साह पैदा कर रहे हैं।

आवेदकों का चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। इसी क्रम में महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य, पार्षदों और अधिकारियों की उपस्थिति में कुल 11 हितग्राहियों की लॉटरी निकाली।

इनमें गणपति विहार से 3, गोकुल नगर से 3, सरस्वती नगर से 3 और मां कर्मा साइट से 2 हितग्राही शामिल हैं। चयनित हितग्राहियों ने योजना की प्रथम किश्त राशि पहले ही जमा कर दी थी। हितग्राहियों को शेष राशि 9 माह के भीतर जमा करने की समयसीमा दी गई है। पूरी राशि 10 माह के भीतर जमा करने पर ही आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाता है। इस अवसर पर देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, सरिता चंद्राकर, सावित्री दमाहे, रंजीता पाटिल, सुरुचि उमरे, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, सचिन ताम्रकर सहित अन्य मौजूद रहें। कार्यक्रम में गणपति विहार की जहिदा बेगम को सम्पूर्ण राशि जमा करने पर आधिपत्य पत्र प्रदान किया गया। अपने नए घर का सपना पूरा होने पर सभी हितग्राही अत्यंत उत्साहित और प्रसन्न नजर आए।

भिलाई विद्यालय में 3 दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 में 6 नवम्बर को तीन दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर का आयोजन भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ भिलाई तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। शिविर में विभिन्न विद्यालयों की 12 पलाटूनों से लगभग 200 छात्र-छात्राएँ सम्मिलित हुए, जो विविध कैंपिंग गतिविधियों में भाग ले रहे हैं।

उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (शिक्षा) एवं मुख्य जिला आयुक्त (स्काउट/गाइड) शिखा दूबे रहीं। इस अवसर पर स्काउट-गाइड प्रार्थना के पश्चात् गाइड मुखिया द्वारा ध्वजारोहण किया गया, जिसके साथ समस्त स्काउट्स एवं गाइड्स ने सामूहिक रूप से झंडा गीत का गायन किया।

शिखा दूबे ने स्काउट-गाइड आंदोलन के आदर्श वाक्य 'तैयार रहो' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनुशासन, टीम-स्पिरिट और तत्परता को अपने जीवन का हिस्सा बनाना ही सच्ची स्काउटिंग की भावना है। साथ ही उन्होंने प्रबंधन दल के समर्पित प्रयासों और सुरुचिपूर्ण व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागी विद्यालयों, स्काउट्स, गाइड्स एवं उनके शिक्षकों कोशिविर हेतु शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर जिला आयुक्त (गाइड) एवं प्राचार्य, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 सुमिता सरकार, प्राचार्य, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-7 रूबी बर्मन रॉय, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं प्राचार्य, भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 श्री विजय सिंह पवार, जिला सचिव एवं वरिष्ठ व्याख्याता, भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 सरिता शाक्य, कोषाध्यक्ष (स्काउट/गाइड) एवं प्राचार्य, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-11 उर्वशी साहू, उप प्रबंधक (शिक्षा) वी. आर. कटियार, उप प्रबंधक (शिक्षा) अशोक सिंह सहित विभिन्न विद्यालयों के शाला-प्रधान एवं शिक्षा विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

इस रैली का समन्वय जिला संघ आयुक्त (गाइड) कीर्तिलता देशमुख तथा जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) सत्यनारायण साहू द्वारा किया जा रहा है। 14 स्काउट मास्टर एवं गाइड कप्तान, शिक्षा विभाग के 6 निर्णायक तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विद्यालयों के 15 अधिकारी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट कैंपिंग अनुभव प्रदान करेंगे।

पेंशन का सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण कराये-आयुक्त

भिलाई। केन्द्र सरकार की पेंशन योजना से लाभान्वित हितग्राहियो का सत्यापन कार्य नहीं होने पर हितग्राहियो के खाते में पेंशन राशि हस्तानांतरण का कार्य नहीं होगा। जिससे पेंशन के लाभ से हितग्राही वंचित हो सकते है। निगम ने सभी हितग्राहियो से प्रत्यक्ष सत्यापन के लिए समीप के निगम जोन कार्यालय व मुख्य कार्यालय में उपस्थित होकर सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा है। केन्द्र आधारित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन हेतु मोबाइल एप तैयार किया गया है। इस एप के माध्यम से हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन किया जा रहा है। हितग्राहियों को मोबाईल एप में सत्यापन करवाना अनिवार्य है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

दुर्ग संक्षेप

निजी क्षेत्र के 470 पदों के लिए दुर्ग में प्लेसमेंट कैम्प 10 नवम्बर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में 10 नवम्बर को प्रात: 10:30 बजे से प्लेसमेंट केम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर जेवरा सिरसा दुर्ग के मेडिकल ऑफिसर, नर्सिंग स्टाफ, डेंटिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, टेक्निशियन, मैनेजर, लेक्चरर, लाईब्रेरियन, आई.टी. इंचार्ज, फील्ड ऑफिसर एकाउन्टेंट, सिक्युरिट गार्ड, मल्टीपरपस वर्कर, आया/बाई एवं कुक इत्यादि के कुल 100 रिक्त पदों हेतु भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। उक्त सभी पदों हेतु वेतन 7000/- से 80000/- तक है, तथा 10वी, 12वी, बी.ई./ बी.टेक., पैरामेडिकल प्रमाण पत्र, नर्सिंग प्रमाण पत्र, मेडिकल टेक्निशियन, डीसीए पीजीडीसीए एवं कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यता धारी आवेदन कर सकते हैं।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट शिविर का 10 नवम्बर से

दुर्ग। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार आम जनता/कार्यालीयीन अधिकारी कर्मचारियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए ग्रीन वेली सोसायटी जुनवानी दुर्ग में 10 से 15 नवम्बर, ड्रीम होम सोसायटी स्मृति नगर दुर्ग में 17 से 21 नवम्बर तक और ए.सी.सी. जामुल दुर्ग में 24 से 29 नवम्बर 2025 तक इन स्थानों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट शिविर आयोजित किये जाएंगे। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाये जाने की कार्यवाही संबंधित कंपनी रोसमेर्टा सेफ्टी सिस्टम लिमिटेड के कर्मचारी उपस्थित रहकर संपन्न करेंगें। शिविर में अपने वाहन का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड के साथ उपस्थित होकर निर्धारित शुल्क जमा कर एचएस नंबर प्लेट प्राप्त किया जा सकता है।

दावा रहित जमा राशि भुगतान हेतु मेगा शिविर 14 नवम्बर को

दुर्ग। वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भारत के 100 जिलों में दावा रहित जमा राशियों हेतु जिला स्तरीय मेगा शिविर 14 नवंबर 2025 को नगर निगम भिलाई में स्थित सभागार कक्ष क्रमांक 02 में प्रात: 11 बजे से शाम 04 बजे तक आयोजित की जाएगी। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य में दुर्ग जिले को चयनित किया गया है। अग्रणी बैंक प्रबंधक से मिली जानकारी अनुसार दुर्ग जिले में कुल 1,72,174 खातों में कुल राशि 65.59 करोड़ है 7 इस शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक दावा रहित जमा राशि को उनके सही दावेदारों को प्रदान किये जाएंगे और अधिक से अधिक आवेदनों का निपटान किये जाएंगे।

सेतु निर्माण संभाग दुर्ग अंतर्गत चल रहे बीटी पैच रिपेयर के कार्य

दुर्ग। उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव की घोषणा अनुरूप वर्षा ऋतु पश्चात् सड़कों के रख-रखाव व मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसके तहत लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान क्षति का विस्तृत सर्वे किया गया। क्षतिग्रस्त पुलों को चिन्हांकित कर मरम्मत हेतु आवश्यक राशि का आंकलन कर मरम्मत हेतु राशि 296.59 लाख रूपए का प्रस्ताव शासन को भेजा गया। प्रेषित प्रस्ताव का स्वीकृति शासन द्वारा प्रदान की गई तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा यथाशीघ्र निविदा आमंत्रण/कार्यादेश जैसी विभागीय कार्यवाही पूर्ण कर वर्षा समाप्त होते ही सड़कों के मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। चिन्हांकित पुलों के मरम्मत को 31 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित किया गया है।

एसआईआर : दो कलर पासपोर्ट फोटो तैयार रखने की अपील

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण और अर्हता दिनांक 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में बीएलओ द्वारा समस्त मतदाताओं के घर-घर जाकर सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह द्वारा मतदाता नागरिकों से अपील की गई है कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता का सत्यापन किये जाने के दौरान गणना पत्रक में आवश्यक दस्तावेजों के साथ दो कलर पासपोर्ट साइज फोटो बीएलओ को उपलब्ध करायी जाए। उल्लेखनीय है कि सघन सत्यापन के तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जा रहा है जिसके लिए सभी दस्तावेजों को तैयार रखना जरूरी है।

विकास और विश्वास ने हिंसा और भय को दिखाया बाहर का रास्ता- राधाकृष्णन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस ऐतिहासिक पल पर छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ शामिल होने पर अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि महोत्सव में लोगों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और इसके सामाजिक आर्थिक बदलाव की झलक देखी।

उपराष्ट्रपति ने 1 नवम्बर 2000 को राज्य के निर्माण में स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के दूरदर्शी नेतृत्व को गर्व से याद किया और एक पूर्व लोकसभा सांसद के रूप में अपने जुड़ाव को व्यक्तिगत तौर पर प्रकट किया, जब उन्होंने राज्य पुनर्गठन विधेयक का समर्थन किया था। उन्होंने छत्तीसगढ़ की 25 साल की असाधारण यात्रा की सराहना की।

श्री राधाकृष्णन ने नक्सलवाद के खतरे को खत्म करने में राज्य की सफलता की सराहना की और इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ नेतृत्व के साथ-साथ राज्य सरकार,

सुरक्षा बलों और स्थानीय समुदायों के समर्पित प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि विकास और विश्वास ने छत्तीसगढ़ में भय और हिंसा का स्थान ले लिया है।

उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ की सफलता की नींव रखने वाले किसानों, जनजातीय समुदायों, उद्यमियों, शिक्षकों और युवाओं - की सराहना की। उन्होंने राज्य की अनुकरणीय सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विशेष रूप से सराहना की, जो 72 लाख से अधिक लाभार्थियों को नि:शुल्क खाद्यान्न प्रदान करती है। वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सराहना की।

उन्होंने राज्य की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए आदिवासी समुदायों को सम्मान दिया। उन्होंने आदिवासी समुदायों की बुद्धिमत्ता, संस्कृति और सतत जीवन शैली की सराहना की, जो आज के पारिस्थितिक और सामाजिक संदर्भ में गहरी प्रासंगिकता रखती है।

उपराष्ट्रपति ने राज्य में उल्लेखनीय बुनियादी ढांचे के विकास पर भी प्रकाश डाला, जिसमें व्यापक सड़क, रेल, एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी शामिल है, जिसने सुदूरवर्ती जिलों को राष्ट्रीय बाजारों से जोड़ा है।

अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति जरूरी : डेका

पूरी क्षमता और ऊर्जा के साथ काम करने के लिए शरीर को स्वस्थ रखना भी अत्यंत आवश्यक

- **ऑफ्ट विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए पदक**

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि छत्तीसगढ़ हर क्षेत्र में आगे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देखे, सोचे और अवसर का उपयोग करें। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति का होना जरूरी है। श्री डेका ऑफ्ट विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले 65 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक सहित 324 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि अनुशासन और समय का पाबंद होना प्रबंधन का महत्वपूर्ण भाग है। अपने समय का सद्पयोग कर, अपनी क्षमता और योग्यता का विकास करें। अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें क्योंकि शरीर स्वस्थ रहेगा तभी पूर्ण क्षमता से कार्य कर पायेंगे।

राज्यपाल श्री डेका ने सिनेमा, फोटोग्राफी, फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में भी विस्तृत संभावनाओं का उल्लेख किया। श्री डेका ने कहा कि सिनेमा वह माध्यम जिसके द्वारा हम संदेश दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस देश ने हमें बहुत कुछ दिया है, हमें भी इसके बारे में सोचना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी काल आपके जीवन का एक बहुत संदर पड़ाव है। जब आप कॉलेज से निकलते हैं उसके बाद ही आपका संघर्ष प्रारंभ हो जाता है। जीवन में एक काम ऐसा करिये जो लाभ के लिए न हो बल्कि बदलाव के लिए हो। समाज आपकी ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है, उसके लिए काम करें।

श्री डेका ने कहा कि हमारा एक-एक प्रयास भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर आगे बढ़ाएगा।

राज्यपाल ने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि हमेशा श्रेष्ठता की ओर बढ़ते रहें।

समारोह को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक होती है जब वह व्यक्ति को दायित्व एवं नवाचार के लिए प्रेरित करती है। यह समारोह केवल उपाधियाँ प्रदान करने का अवसर नहीं है; यह कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प लेने और उत्कृष्टता का उत्सव है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. संदीप मारवाह, विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के चेयरमेन श्री वी. के. गोयल ने भी अपना संबोधन दिया। विश्वविद्यालय के संचालक प्रोफेसर श्रीमती शिखा वर्मा ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं उनके पालकगण भी उपस्थित थे।

दुर्ग में सप्ताह व्यापी महिला खेलकूद का हुआ आगाज़

- **एथलेटिक्स, हॉकी, कुश्ती सहित 11 स्पर्धाएँ शामिल, 35 वर्ष तक की महिलाएं होंगी शामिल**

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विकासखण्ड एवं जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। विकासखण्ड स्तरीय दुर्ग, पाटन एवं धमधा में होने वाले महिला खेल प्रतियोगिता के अन्तर्गत एथलेटिक्स (100 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, एवं तवा फेक), खो-खो, हॉकी, बैडमिंटन (सिंगल एवं डबल), व्हॉलीबाल. कुश्ती (50 किलो एवं 53 किलो), बास्केटबॉल, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग (40 किलो एवं 45 किलो), एवं रस्साकसी की स्पर्धाये होगी।

02 आयुवर्ग 09-18 वर्ष एवं 18 से 35 वर्ष तक की महिलाएं भाग ले रही हैं। अभ्यर्थी पंजीयन के लिए अपना आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र लेकर प्रतियोगिता स्थल में पहुंचेंगे।

जिले के विकासखंड दुर्ग, पाटन एवं धमधा में विकासखंड स्तर पर तथा पाटन (सेलूद) में जिला स्तरीय आयोजन पूर्वान्ह 8 बजे होगा। 7 नवंबर 2025 को विकासखंड दुर्ग के शाउमावि कोडिया में इसका उद्घाटन हुआ. यहां अशोक रिगरी स्पर्धा प्रभारी हैं। 8 नवंबर 2025 को सेजस सेलूद विकासखंड पाटन और कॉलेज मैदान सिरना भाठा विकासखंड धमधा के आयोजन हेतु क्रमश: श्री पोखरन लाल साहू तथा श्री कौशलेंद्र पटेल स्पर्धा प्रभारी होंगे।

10 नवंबर 2025 को ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन सेजेस सेलूद, पाटन में किया जाएगा, जिसके प्रभारी भी श्री पोखरन लाल साहू होंगे। विकास खण्ड स्तर पर उपरोक्त खेलों का आयोजन कराया जाना है। जिसमें दो आयुवर्ग से प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी/दल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगें।

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से हो रही हर माह 1500 तक की बचत

श्रीकंचनपथ समाचार

मोहला। विकासखंड मानपुर इरागांव निवासी अमर सिंह सोनी एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से संबंध रखते हैं। पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल 700 से 1200 रुपए तक आता था, वही गर्मियों में यह राशि बढ़कर 1500 से 2000 रुपए तक पहुंच जाती थी।

उन्होंने बताया कि लगातार बढ़ते बिजली बिल के कारण परिवार के मासिक खर्चों से कई बार घरेलू बजट बिगड़ जाता था। जुलाई 2025 में जब उन्होंने विद्युत विभाग द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से संबंधित कार्यशाला में भाग लिया। इस दौरान उन्हें योजना की संपूर्ण जानकारी के साथ ही बिजली बिल में नियंत्रण कर घरेलू बजट बेहतर करने का अवसर मिला।

कार्यशाला में बताया गया कि योजना के तहत केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार भी उपभोक्ताओं को सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने पर सब्सिडी दे रही है। जिससे लोगों को मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है। यह जानकारी सुनकर सोनी ने बिना देर किए विद्युत विभाग की मदद से पोर्टल पर आवेदन किया और अपनी छत पर 3 किलोवाट का सोलर रूफटॉप सिस्टम लगवाया। सौर ऊर्जा से बिजली बनने के बाद अब उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग शून्य या माइनस हो गया है। जिससे हर महीने करीब 1000 से 1500 रुपये की बचत हो रही है। यह बचत उनके परिवार के अन्य आवश्यक खर्चों में सहायक साबित हो रही है। इसके साथ ही, सौर ऊर्जा के प्रयोग से उनका परिवार अब पर्यावरण की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अमर सोनी बताते हैं कि अब उन्हें अगले 25 से 30 वर्षों तक बिजली की कोई चिंता नहीं है और यह सौर प्रणाली उनके घर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रही है।

सोनी ने अपना अनुभव साझा करते बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। अब हमें बिजली बिल की चिंता नहीं रहती और हमारे घर की छत से ही मुफ्त बिजली पैदा हो रही है। इससे हमारा खर्च कम हुआ है, बचत बढ़ी है और हम आत्मनिर्भर बने हैं। हमें गर्व है कि हम देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के निमित्त बन रहे हैं। साथ ही, यह योजना पर्यावरण की रक्षा में भी अहम भूमिका निभा रही है।

ई-संवर्ग के 1378 शिक्षकों का प्राचार्य बनने का रास्ता साफ

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने व्याख्याता के पद पर पदोन्नति के लिए राज्य शासन द्वारा तय कैडर व मापदंडों को सही ठहराते हुए शिक्षक की याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद ई संवर्ग के 1378 व्याख्याताओं को प्राचार्य के पद पर पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। याचिका पर सुनवाई के बाद सिंगल बेंच ने 5 अगस्त 2025 को अपना फैसला सुरक्षित रखा था।

30 अप्रैल को प्राचार्य पदोन्नित की सूची जारी की गई थी। इसके तहत छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के ई संवर्ग एवं टी संवर्ग के 2,925 प्राचार्य के पदों पर स्कूल शिक्षा एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के व्याख्याता नियमित, व्याख्याता एलबी तथा प्रधान पाठक माध्यमिक विद्यालय को पदोन्नति देकर प्राचार्य बनाया था। प्राचार्य पदोन्नति को लेकर हाईकोर्ट में कई याचिकाएं लगी है। एक मामला 2019 से जुड़ा हुआ है, जबकि दूसरा प्रकरण 2025 और बीएड-

डीएलएड से जुड़ा है।

28 मार्च 2025 को जब हाईकोर्ट की पिछली सुनवाई हुई थी तो राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को आश्वस्त किया गया था कि अगली सुनवाई तक प्राचार्य पदोन्नित का आदेश जारी नहीं किया जाएगा। कोर्ट का आश्वस्त करने के बाद भी 30 अप्रैल को पदोन्नति सूची जारी कर दी गई। अगले दिन एक मई को हाईकोर्ट ने इस पूरी प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

जस्टिस रविंद्र कुमार ने सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा है। इससे पहले इन्टरविनर अधिवक्ता अनूप मजूमदार ने पक्ष रखा था। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में प्राचार्य पदोन्नति को लेकर हाईकोर्ट ने अहम फैसले में राज्य सरकार के बनाए गए नियमों और मापदंडों को पूरी तरह वैध माना है। नारायण प्रकाश तिवारी ने याचिका दायर कर प्राचार्य पद पर 65वा की बजाय 100वा पद ई संवर्ग को देने की मांग की थी। राज्य शासन की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि प्राचार्य पदोन्नति के लिए बनाए गए नियमों को लेकर डिवीजन बेंच में पहले ही विस्तार से सुनवाई हो चुकी है।

9 जून से 17 जून तक चली सुनवाई में सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए सरकार के नियमों को वैध करार दिया गया। कोर्ट ने 30 अप्रैल को जारी प्राचार्य की सूची पर लगी रोक को हटाते हुए इसे बहाल कर दिया है। डिवीजन बेंच ने प्राचार्य के पद पर पदोन्नति के लिए 65 फीसद 'ई संवर्ग, 25 फीसद लोकल बॉडी संवर्ग और 10 फीसद सीधी भर्ती का कोटा मान्य बताया है।

पापुआ-न्यू-गिनी को 20 मीट्रिक टेन फोर्टिफाइड चावल का निर्यात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने छत्तीसगढ़ से पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को 20 मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल के निर्यात की सुविधा दी। यह खेप भारत के कृषि निर्यात पोर्टफोलियो को बढ़ाने और वैश्विक बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाले, फोर्टिफाइड और मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में देश की प्रतिष्ठा को मजबूत करेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य ने चावल और फोर्टिफाइड चावल के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार कठोर प्रयास किए हैं, जिससे राज्य के किसानों, मिल मालिकों और निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बेहतर दृश्यता और पहचान हासिल करने में मदद मिली है।

पापुआ न्यू गिनी को फोर्टिफाइड चावल की सफल शिपमेंट वैश्विक पोषण-केंद्रित खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में छत्तीसगढ़ के बढ़ते योगदान को रेखांकित करती है और भारत की कृषि-निर्यात महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने में राज्य की उभरती भूमिका को दर्शाती है।

इस मौके पर, एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने निर्यातक मेसर्स स्पॉन्ज एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर और इस उपलब्धि को हासिल करने में शामिल सभी हितधारकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से फोर्टिफाइड चावल का सफल निर्यात अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को प्रीमियम क्वालिटी, विज्ञान-आधारित और पोषण वाले खाद्य समाधान प्रदान करने में भारत की बढ़ती क्षमता का उदाहरण है।

श्री देव ने वैश्विक कृषि-व्यापार इकोसिस्टम में भारत की स्थिति को और मजबूत करने के उद्देश्य से गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली, क्षमता बढ़ाने, मूल्य-श्रृंखला विकास और रणनीतिक बाजार संबंधों के माध्यम से निर्यातकों की सुविधा के लिए एपीडा की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की। द राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ (टीआरईए-सीजी) अध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने एपीडा के लगातार समर्थन और सुविधा के लिए आभार जताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ से कृषि निर्यात को प्रोत्साहन देने और आगे बढ़ाने में एपीडा की भूमिका की भी सराहना की।

फोर्टिफाइड चावल चावल के आटे को आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी12 जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ मिलाकर बनाया जाता है। फोर्टिफाइड मिश्रण को प्राकृतिक चावल के दानों जैसा आकार दिया जाता है, और फिर उसे एक निश्चित अनुपात में नियमित चावल के साथ मिलाकर उसकी पौष्टिकता बढ़ाई जाती है।

छत्तीसगढ़ से पापुआ न्यू गिनी तक इस खेप का सफल निर्यात भारत के कृषि निर्यात क्षेत्र के लिए एक और विशिष्ट उपलब्धि है।

ग्रामीणों ने चंगाई सभा का किया विरोध

सरगुजा। जिले के बतौली जनपद के ग्राम पंचायत बालमपुर अंतर्गत ग्राम रतनपुर में ईसाई समाज द्वारा आयोजित चंगाई सभा का ग्रामीणों एवं स्थानीय हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध करते हुए इसे धर्मांतरण की साजिश करार दिया और जमकर प्रदर्शन किया। सूचना पर प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। बालमपुर अंतर्गत ग्राम रतनपुर में ईसाई समाज द्वारा तीन दिवसीय चंगाई सभा का आयोजन किया जा रहा है।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

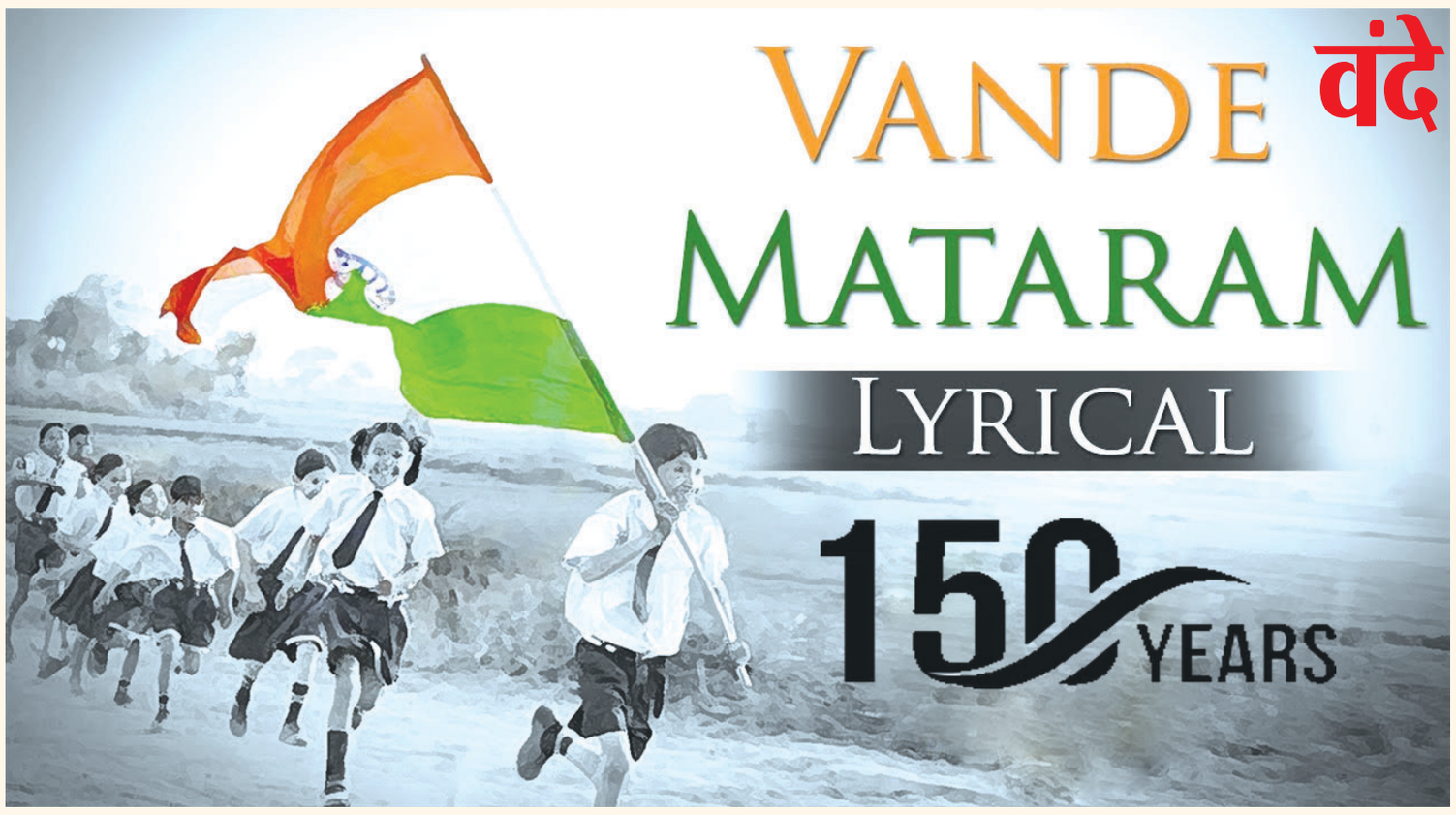

वंदे मातरम के 150 साल

फिल्मों में अलग अलग अंदाज में सुनाई दिया राष्ट्र गीत, देशभक्ति से ओत-प्रोत हुए दर्शक

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को 150 वर्ष पूरे हो गए हैं। आज 7 नवंबर को देशभर में इसका जश्न मनाया जा रहा है। अलग-अलग जगह आयोजन हो रहे हैं। इस गीत की रचना बंकिमचंद्र चटर्जी ने 1875 में 7 नवंबर को अक्षय नवमी के शुभ अवसर पर की थी। यह गीत चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ में पहली बार दिखाई दिया था। कई चर्चित फिल्मों में भी 'राष्ट्रीय गीत' अलग-अलग अंदाज में सुनने को मिला है। इस आइकॉनिग गीत के 150 वर्ष पूरे होने के गौरवशाली पल में, जानते में उन फिल्मों के बारे में...

'आनंद मठ'

आमतौर पर देशभक्ति फिल्मों या किसी फिल्म के देशभक्ति वाले दृश्यों को फिल्माते वक्त राष्ट्र गीत वंदे मातरम को बैकग्राउंड में बजाया जाता रहा है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम को लिखा, जिसके बाद इसमें धीरे-धीरे बदलाव देखा गया। बदलाव की यह शुरुआत बॉलीवुड में भी समय के साथ देखी गई। सबसे पहले 'वंदे मातरम' गीत को साल 1952 में आई फिल्म 'आनंद मठ' में लता मंगेशकर ने गाया, जिसकी धुन को एक नए धागे में हेमंत कुमार ने पिरोया।

'कभी खुशी कभी गम'

शाहरुख खान, ऋतिक रोशन, काजोल, करीना कपूर, अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, रानी मुखर्जी अभिनीत यूं तो यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म है, मगर इसमें भी 'वंदे मातरम' गीत सुनाई दिया। यह गाना ऐसे पल पर सुनने को मिला कि दर्शक न सिर्फ भावुक हो गए, बल्कि देशभक्ति की भावना उमड़ उठी। इस फिल्म में उषा उत्थुप और कविता कृष्णमूर्ति ने यह गीत गाया।

ऑपरेशन वैलेंटाइन

मानुषी छिल्लर और वरुण तेज अभिनीत यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। इसमें सुखविंदर सिंह द्वारा गाया गया 'वंदे मातरम' गीत सुनने को मिला। इसके अलावा साल 2019 में आई 'इंडियाज मोस्ट वॉन्टेड' फिल्म में भी राष्ट्रगीत बजा। पापोन, अल्तमश फरीदी और अमित त्रिवेदी द्वारा गाए गए गीत का वर्जन शामिल किया गया।

'फाइटर'

ऋतिक रोशन, अनिल कपूर और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म 'फाइटर' में भी 'द फाइटर एंथम' के रूप में वंदे मातरम सुनने को मिला। यह एक देशभक्ति एक्शन फिल्म है।

'एबीसीडी 2'

साल 2015 में आई इस फिल्म में 'वंदे मातरम' को इसके साउंडट्रैक में शामिल किया गया। इसे काफी अलग, लेकिन दिलचस्प अंदाज में पेश किया गया है।

ऑपरेशन वैलेंटाइन

मानुषी छिल्लर और वरुण तेज अभिनीत यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। इसमें सुखविंदर सिंह द्वारा गाया गया 'वंदे मातरम' गीत सुनने को मिला। इसके अलावा साल 2019 में आई 'इंडियाज मोस्ट वॉन्टेड' फिल्म में भी राष्ट्रगीत बजा। पापोन, अल्तमश फरीदी और अमित त्रिवेदी द्वारा गाए गए गीत का वर्जन शामिल किया गया।

'रोमियो अकबर वाल्टर'

साल 2019 में आई जॉन अब्राहम अभिनीत इस फिल्म में 'वंदे मातरम' को सोनू निगम ने सुरीली आवाज में गाया। इस स्पाई थ्रिलर फिल्म में राष्ट्र गीत के इस वर्जन को बतौर साउंडट्रैक इस्तेमाल किया गया।

'मां तुझे सलाम'

साल 1997 में ए.आर. रहमान के प्रतिष्ठित और व्यापक रूप से लोकप्रिय गैर-फिल्मी एल्बम ट्रैक में 'वंदे मातरम' टाइटल ट्रैक के रूप में पेश किया गया।

'सलाकार'

इसी साल आई हिंदी जासूसी फिल्म 'सलाकार' में भी 'वंदे मातरम' काफी अलग लेकिन रोचक अंदाज में सुनने को मिला। सूर्य शर्मा, नवीन कस्तुरिया और मौनी रॉय अभिनीत यह फिल्म अगस्त में रिलीज हुई थी।

'वंदे मातरम' फिल्म

साल 1985 में राष्ट्रीय गीत के नाम पर एक तेलुगु फिल्म बनाई गई। टी. कृष्णा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विजयशांति और डॉ. राजशेखर लीड रोल में नजर आए।

दांत किटकिटाती सोनाक्षी को देख फोड़ लेंगे अपना सिर, समय और पैसे की बर्बादी है 'जटाधरा'

1992 में रिलीज हुई 'रात्री' से लेकर अनुष्का शेट्टी अभिनीत 'अरुन्धती' तक, तेलुगु सिनेमा में कई हॉरर फिल्में बनी हैं। इन सभी फिल्मों में कुछ न कुछ एलीमेंट था। किसी में डर था, तो किसी में कहानी कमाल की थी.. पर फिल्म 'जटाधरा' इतनी कमाल है कि इसमें कुछ है ही नहीं।

शुरू से लेकर अंत तक यह फिल्म इतनी उबाऊ है कि जब इसमें कोई हॉरर सीन आता है तो दर्शक डरने के बजाय हंसना शुरू कर देते हैं.. या यूं कहें कि वो अपनी किस्मत पर रो रहे होते हैं। क्योंकि शुरू से लेकर अंत तक न तो इस फिल्म में कोई हॉरर एलीमेंट है, न ही ढंग का वीएफएक्स है और न ही कोई थ्रिल। सोनाक्षी सिन्हा जिन्हें पहली बार किसी अलग किरदार में देखने की इच्छा थी और उम्मीद थी कि वो कुछ कमाल कर जाएंगी, वो एक बार फिर से फेल हुई। पूरी फिल्म में वो या तो आपको चीखती-चिल्लाती दिखेंगी या फिर अपने दांत किटकिटाती हुई दिखेंगी, जिसे देखकर आपकी हंसी ही नहीं रुकेगी।

कहानी

कहानी एक घोस्ट हंटर शिवा (सुधीर बाबू) की है जो भूत-प्रेत और आत्माओं पर यकीन नहीं करता पर उन्हें ढूंढता रहता है। उसे हर रात एक ही अजीब सा सपना आता है जिसके तार उसके बचपन से जुड़े हैं। इसी बीच एक गांव है जहां जो भी सोने का कलश ढूंढने जाता है, उसकी मौत हो जाती है। कहते हैं कि उस गांव में खजाना गढ़ा हुआ है और उसकी रक्षा धन पिशाचनी (सोनाक्षी सिन्हा) कर रही है। क्या शिवा उस गांव तक पहुंच पाएगा? वहां जाकर वो धन पिशाचनी से जीत पाएगा? इन सवालों के जवाब आपको फिल्म देखकर मिलेंगे।

स्क्रीनप्ले और एडिटिंग

इस फिल्म की कहानी पढ़ने और सुनने में बड़ी इंट्रेस्टिंग लगती है। संभवत: यह कागजों पर बड़ी अच्छी लगी होगी। विजअुलाइजेशन भी बड़ा कमाल का किया गया होगा पर जो स्क्रीन पर बनकर सामने आया है वो बहुत ही वाहियात है।

अभिनय

सुधीर बाबू ने पूरी फिल्म में जमकर मेहनत की है। चाहे अभिनय हो या लुक्स उनकी मेहनत दिखती है पर पूरी फिल्म में उनके अलावा कोई और नहीं है जिसे देखा जा सके। सुधीर बाबू के अपोजिट फिल्म में दिव्या खोसला हैं। उनकी डायलॉग डिलिवरी इतनी स्लो है कि कछुआ भी शर्मा जाए। हर सीन में वो ओवर रिएक्ट करती दिखती हैं। सोनाक्षी सिन्हा के पास यहां करने के लिए कुछ था भी नहीं और जो उन्होंने किया वो वैसे ही बर्बाद है।

निर्देशन

ऐसा लगता है जैसे अभिषेक जयसवाल और वेंकट कल्याण ने यह फिल्म अलग-अलग बनाई है। निर्देशक इस फिल्म से कहना क्या चाहते हैं यह तो मेरी समझ से ही परे है। जिस थीम के साथ वो यह कहानी शुरू करते हैं अंत तक उससे भटक जाते हैं। न तो वो बैकस्टोरी ऐसे पेश कर पाते हैं कि लोगों को शॉक लगे और न ही क्लाइमैक्स को ढंग से पेश कर पाते हैं।

म्यूजिक, खूबियां और खामियां

एक दो गाने और म्यूजिक ठीक-ठाक हैं पर कुछ जगह यह लाउड हो जाता है तो कुछ जगह सीन से मैच नहीं कर पाता। फिल्म के क्लाइमैक्स में सुधीर बाबू ने जो शिव तांडव किया है बस वो ही देखने लायक है। बाकी खामियां क्या ही गिनवाऊं? इस फिल्म में खामियां नहीं, खामियों में यह फिल्म है। अगर साउथ की फिल्मों के शौकीन हैं और सोनाक्षी को नए अवतार में देखना चाहते हैं तो यह फिल्म देख सकते हैं।

'बूगी वूगी' का रीयूनियन, 'दे दे प्यार दे 2' के इस गाने पर जावेद-नावेद और रवि का जबरदस्त डांस

अगर आप 90 के दशक में पैदा हुए हैं, तो 'बूगी वूगी' का नाम सुनते ही आप भी पुरानी यादों में खो जाते होंगे। अब एक बार फिर 'बूगी वूगी' की उस तिकड़ी का रीयूनियन हुआ है। जहां शो के तीनों जज जावेद जाफरी, नावेद जाफरी और रवि बहल साथ आए हैं। इन तीनों ने मिलकर एक डांस परफॉर्म किया है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है।

वायरल हुआ 'बूगी वूगी' के जजों का डांस फेस ऑफ

'बूगी वूगी' के ये तीनों जज दरअसल, जावेद जाफरी और उनके बेटे मीजान जाफरी के नए गाने '3 शौक' पर एक डांस फेस ऑफ करते दिखे। इस वीडियो में ये तीनों जज 'दे दे प्यार 2' के इस नए गाने पर अपने-अपने स्टेप्स कर रहे हैं। वीडियो में मीजान भी साथ में नजर आ रहे हैं। मीजान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की। उनके इस रीयूनियन की सबसे खास बात वायरल ट्रैक पर उनका अचानक डांस था। गाने में मीजान के डांस मूव्स को खूब सराहना मिल रही है और ओरिजिनल 'बूगी वूगी' क्रू के साथ उनकी यह नई रील अब वायरल है।

सेलेब्स ने की तारीफ

वीडियो के अंत में सभी ने 'बूगी वूगी' का मशहूर सिग्नेचर स्टेप किया। प्रशंसकों ने 'ओजी डांस क्रू' की एकमत से प्रशंसा की। वीडियो पर कमेंट करते हुए अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने लिखा, 'बहुत बढ़िया। ओजी बूगी... कर रहे हैं।' आयुष्मान खुराना ने लिखा, 'ओजी के साथ।' अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने लिखा, ' सबसे अच्छा, वीडियो।'

सभी ने किया 'बूगी वूगी' का मशहूर सिग्नेचर स्टेप

1996 से 2014 तक चला था 'बूगी वूगी' शो

'बूगी वूगी' एक डांस रियलिटी टीवी शो है, जो 1996-2014 तक चला और इंडियन टेलीविजन के सबसे पसंदीदा डांस शो में से माना जाता है। इस शो में जावेद जाफरी, नावेद जाफरी और रवि बहल जज के तौर पर नजर आते थे। 'शौक 3' गाने को अवी श्रा और करण औजला ने गाया है और करण ने ही इसे लिखा भी है। इस गाने की कोरियोग्राफी गणेश आचार्य ने की है।

बॉलीवुड में मौनी रॉय के साथ 21 साल की उम्र में हुआ हादसा, कहा, 'शख्स ने मेरा चेहरा पकड़ा और.....

बॉलीवुड की चमक-दमक के पीछे एक काला सच भी है। इसके बारे में कई कलाकार बात करते रहे हैं। हाल ही में अभिनेत्री मौनी रॉय ने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों की एक परेशान करने वाली घटना का खुलासा किया है। स्पाइस इट अप पर अपूर्व मुखीजा के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कभी कास्टिंग काउच का सामना नहीं किया लेकिन 21 साल की उम्र में उन्हें चौंकाने वाला अनुभव हुआ था।

मौनी रॉय से जब पूछा गया कि क्या कभी उन्हें कास्टिंग काउच या फिर बॉलीवुड में किसी ने उनके साथ गलत व्यवहार किया? इस पर उन्होंने कहा 'कास्टिंग काउच तो नहीं हुआ लेकिन बदतमीजी हुई। मैं 21 साल की थी और मैं किसी के ऑफिस में गई थी, जहां ऑफिस के अंदर लोग मौजूद थे और कथा सुनाई जा रही थी। कथा में अचानक एक दृश्य आता है कि लड़की स्विमिंग पूल में गिर जाती है। फिर लड़की बेहोश हो जाती है और नायक उसे बाहर निकालता है और उसके मुंह पर अपने मुंह को रख कर उसे सांस देता है। इसके बाद लड़की होश में आ जाती है।'

डर गईं मौनी रॉय

मौनी राय ने आगे बताया 'उसी में से एक आदमी ने मेरा चेहरा पकड़ा और मुझे बताया कि मुंह से सांस कैसे देना है। उस वक्त मुझे समझ नहीं आया कि मेरे साथ क्या हुआ। मैं वहां से भाग गई। इस वाकिए ने मुझे डरा दिया।'

मौनी का करियर

मौनी राय ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत प्रतिष्ठित शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की। उन्होंने 2018 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'गोल्ड' से बॉलीवुड में डेब्यू किया और बाद में 'रोमियो अकबर वाल्टर' और 'मेड इन चाइना' में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने 'ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन - शिवा' में शानदार अभिनय के लिए तारीफें बटोरी। अभी इनकी आगे और भी फिल्में आ रही हैं।

शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय संग्रहालय बना प्रेरणा और आकर्षण का केन्द्र

महज दों दिनों में 8 हजार से अधिक लोगों ने किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर के आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में अंग्रेजी हुकुमत काल के दौरान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बने शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय संग्रहालय लोगों के लिए प्रेरणा और आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। स्कूलों और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के साथ ही बड़ी संख्या में आमजन संग्रहालय को देखने पहुंच रहे हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्योत्सव रजत जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक नवम्बर को इस भव्य संग्रहालय को लोगों के लिए समर्पित किया गया। आगन्तुकों के लिए 4 नवम्बर से शुरू हुए इस शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का महज 2-3 दिनों में ही 8 हजार से अधिक लोगों ने अवलोकन किया।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों उद्घाटन होना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि काफी संख्या में लोग संग्रहालय देखने आ रहे हैं, इससे संग्रहालय बनाने का उद्देश्य सार्थक हो रहा है। इस संग्रहालय के शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने लगा है। श्री बोरा ने कहा कि संग्रहालय का धरातल में आने से नई पीढ़ियों को अपने पुरखों का याद दिलाता रहेगा। यह न सिर्फ जनजातीय वर्गों के लिए बल्कि सभी लोगों के लिए प्रेरणाप्रद है।

पाटन-दुर्ग से संग्रहालय देखने आए अतुल ठाकुर ने बताया कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर बने स्मारक संग्रहालय बेहद आकर्षक एवं जीवंत है। अपने महापुरूषों और बलिदानियों के जीवत गाथा को देखकर गर्व महसूस हो रहा है। वे जनजातीय संस्कृति एवं परंपराओं पर बने संग्रहालय को पहले देख चुके हैं। उन्होंने राज्य के पुरोधाओं को जीवंत करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिवादन किया है।

धमतरी जिले के विकासखण्ड कुरूद के ग्राम टिपानी से संग्रहालय देखने आई गरिमा यादव और उसकी सहेली सोनिया ध्रुव ने बताया कि इस संग्रहालय को देखकर ऐसा लगा कि हम स्वतंत्रता काल में हुए युद्ध के मैदान में सफर कर रहे हैं। ऐसा महसूस कर रहे हैं कि हम तत्कालीन समय में आ गए हैं और सचमुच क्रांतिकारियों को निहार रहे हैं।

भखारा तहसील के ग्राम डोमा से अपने दामाद के साथ संग्रहालय देखने आए कमलेश कुमार सोनवानी ने बताया कि प्राचीन रीति-रिवाज, संस्कृति व परंपराओं सहित छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर बने भव्य संग्रहालय को देखकर आनंद आ गया, मन खुशियों से झूम उठा। उन्होंने बताया कि आने वाले पीढ़ियों को फिल्म देखने के बजाय यह संग्रहालय देखने आना चाहिए। संग्रहालय में मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञानवर्धक सहित सभी तथ्य मौजूद हैं, जो आने वाली पीढ़ी को भविष्य संवारने में मदद करेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ में भी ऐसे संग्रहालय के निर्माण को युवा वर्ग के लिए सौभाग्य की बात कहा। धमतरी के सुभाष नगर से आए श्री अर्जुन नाग ने छत्तीसगढ़ की इन क्रांतिकारियों की समृद्ध इतिहास को काफी पसंद किया।

ओड़िशा के लक्की मांझी भी छत्तीसगढ़ में रह रहे अपने रिश्तेदारों के साथ संग्रहालय देखने आए थे। लक्की मांझी ने बताया कि संग्रहालय में मांझी समुदाय पर दर्शाए गए दृश्य देखकर उसे काफी प्रसन्न हुई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के पुरोधाओं और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के समृद्ध ऐतिहासिक गाथाओं पर बना यह संग्रहालय उनके दिल को छू लिया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि संग्रहालय सिर्फ देखने के लिए नहीं उनका अनुकरण भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्य पुरोधाओं और महापुरूषों पर भी संग्रहालय का निर्माण होना चाहिए। उनके साथ बीरगांव के खोमन ध्रुव, सम्बलपुर के धनेन्द्र ध्रुव और सागर ध्रुव ने भी संग्रहालय का अवलोकन किया।

संग्रहालय परिसर में कोयतूर बाजार भी लगा हुआ है। हाटुल की संचालिका डॉ. भीनू ने बताया कि महज दो दिनों में ही 8 हजार रूपए से अधिक की बस्तर आर्ट, कपड़े, जनजातीय गहने आदि का विक्रय हुआ है। इसके अलावा धुरवा, माड़िया जनजातीयों में प्रचलित साड़ी सुन्दर पाटा, टेकरा पाटा, बंड़ी पाटा जैसे साड़ियों का अच्छी पूछ-परख हो रही है। इसके साथ बांस से बनी कला-कृति को भी लोग खरीद रहे हैं।

25 वर्षों की विकास यात्रा थीम पर बनी कृषि विभाग के प्रदर्शनी को मिला द्वितीय पुरस्कार, सचिव शहला निगार ने किया ग्रहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा नवा रायपुर, अटल नगर तूता स्थित पंडित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्यावसायिक परिसर, मेला स्थल में 1 से 5 नवम्बर तक राज्योत्सव का आयोजन किया गया। इस मेला में कृषि एवं संवर्गीय विभागों द्वारा 25 वर्षों की विकास यात्रा की थीम पर कृषि मॉडल प्रदर्शनी लगाई गई। आम जनता द्वारा इस प्रदर्शनी को काफी प्रशंसा एवं सराहना मिली। 05 दिवसीय स्थापना दिवस कार्यक्रम में जुरी कमेटी द्वारा कृषि विभाग के प्रदर्शनी को द्वितीय स्थान के लिए चयनित किया गया।

राज्योत्सव के समापन समारोह के मौके पर उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के हाथों विभाग की सचिव शहला निगार ने पुरस्कार ग्रहण किया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने विभाग की इस सफलता के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पुरस्कार मिलने से अधिकारी-कर्मचारी भी उत्साहित हैं। इस मौके पर कृषि विभाग के संचालक श्री राहुल देव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। गौरतलब है कि राज्योत्सव में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी तथा संवर्गीय विभाग - उद्यानिकी, पशु पालन, मछली पालन, कृषि अभियांत्रिकी, राष्ट्रीय जलग्रहण, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर एवं कामधेनु विश्वविद्यालय तथा सम्बंधित संस्थाओं द्वारा इन 25 वर्षों के विकास यात्रा की थीम पर कृषि मॉडल का प्रदर्शन किया गया।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य स्थापना वर्ष 2000 से वर्ष 2025 तक 25 वर्षों में केन्द्र शासन एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं के द्वारा हुए विकास का जीवंत प्रदर्शन करते हुए स्टॉल लगाया गया, जिसमें कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती, किसान सम्मान निधि, ड्रोन द्वारा उर्वरक छिड़काव, बीज वितरण व विपणन की नवीन व्यवस्था, भूमि संरक्षण द्वारा वर्षा जल संरक्षण आदि को प्रदर्शित किया गया।

उद्यानिकी विभाग द्वारा पुष्पों की प्रदर्शनी एवं सब्जियों तथा फलों की उन्नत किस्म का प्रदर्शन किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के उन्नत नस्ल एवं दुग्ध उत्पादन तथा मछली पालन विभाग द्वारा बायोफ्लॉक एवं केजकल्चर द्वारा मछलीपालन की नवीन तकनीक के साथ सजावटी मछलियों का प्रदर्शन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी द्वारा कृषि में प्रयोग की जाने वाली उन्नत कृषि तकनीक से लैस कृषि यंत्रों को जनता के लिए प्रदर्शित किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के अनुकूल तथा अधिक उत्पादन देने वाली विभिन्न फसल किस्मों के साथ स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित जैविक उत्पाद का प्रदर्शन किया गया था।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को मिला तृतीय पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 1 से 5 नवम्बर तक नवा रायपुर अटल नगर, तूता स्थित पंडित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्यावसायिक परिसर मेला स्थल में राज्योत्सव का आयोजन किया गया। राज्योत्सव में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 25 वर्षों की विकास यात्रा थीम पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे जनता द्वारा काफी सराहना मिली। इस पांच दिवसीय राज्योत्सव के दौरान ज्यूरी समिति द्वारा मूल्यांकन उपरांत, वन विभाग की इस प्रदर्शनी को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने विभाग की इस उपलब्धि पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता टीमवर्क, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण का परिणाम है। पुरस्कार मिलने से विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उत्साहित हैं। राज्योत्सव में आने वाले आगंतुकों ने इस स्टॉल को रोचक, आकर्षक और ज्ञानवर्धक बताया। यह प्रदर्शनी छत्तीसगढ़ की हरित सोच, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सशक्त प्रतीक बनी। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनी में 25 वर्षों की उपलब्धियों की जीवंत झलक वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन, एवं हरित विकास से जुड़े मॉडल और योजनाओं की जानकारी आकर्षक रूप में दिखायी गई। प्रदर्शनी में 'एक पेड़ माँ के नाम' योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में अब तक 6.41 करोड़ पौधारोपण का उल्लेख, शहरों में विकसित मियावाकी सूक्ष्म वन, ग्रीन गुफा परियोजना, घोटुल संस्कृति प्रदर्शन, गज संकेत ऐप एवं गजरथ यात्रा द्वारा मानव-हाथी संघर्ष में कमी को प्रदर्शित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ हर्बल्स के माध्यम से वन उत्पादों का मूल्यवर्धन, राज्य के प्रमुख प्राकृतिक स्थलों जैसे हांदावाड़ा जलप्रपात, कांगेर घाटी की कुटुमसर गुफा, बारनवापारा अभयारण्य की जानकारी भी दी गई।

जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में डिलीवरी का रिकॉर्ड स्तर

माह अक्टूबर में 456 प्रसव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में अक्टूबर माह के दौरान संस्थागत प्रसव का आंकड़ा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। पूरे महीने में कुल 456 प्रसव दर्ज किए गए जिनमें से 155 प्रसव सी-सेक्शन (शल्य प्रसव) के माध्यम से कराए गए। बढ़ती प्रसव संख्या इस बात की ओर इंगित करता है कि जिला अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों का विश्वास बढ़ा है।

मुख्य चिकत्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि जिले में लगभग 1400 गर्भवती महिलाओं की एएनसी (प्रसव पूर्व जांच) की गई जो यह दर्शाती है कि नियमित जांच एवं सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है।बढ़ते प्रसव मामलों के कारण जिला चिकित्सालय पर कार्यभार भी तेजी से बढ़ा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अधिक संख्या में प्रसव होने से अस्पताल की मातृ एवं शिशु वार्ड पर दबाव बढ़ गया है, जिसके लिए अतिरिक्त संसाधन, मानवबल और व्यवस्थाओं की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। जिसकी व्यवस्था की जा रही है। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि बेहतर सुविधाएं, सुरक्षित प्रसव, निशुल्क दवाइयां, 24म7 उपलब्ध स्वास्थ्य स्टाफ तथा सरकार की जनहितैषी योजनाओं के कारण अधिकाधिक प्रसूताएं जिला चिकित्सालय की ओर रुख कर रही हैं। इस प्रकार से जिले मे मातृ और शिशु मृत्यु कम करने में अपेक्षित सफलता मिलने की संभावना है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से दोहरा लाभ सस्ती बिजली के साथ पर्यावरण संरक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना शुरू कर दिया है। बलरामपुर जिले के नगर पंचायत राजपुर निवासी संजय कुमार सोनी भी पहले बढ़ते बिजली बिलों से परेशान थे, लेकिन आज उनके घर में सौर ऊर्जा के माध्यम से न सिर्फ रोशनी है, बल्कि आर्थिक राहत भी है।

श्री सोनी ने बताया कि आधुनिक घरेलू उपकरणों के उपयोग के कारण प्रति माह बिजली की खपत अधिक रहती थी, जिससे बिल 2,000 से 2,500 रुपये तक आता था। योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित कराया। इससे उनकी अधिकांश बिजली जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी हो रही हैं।अब उनका बिजली बिल लगभग सैकड़ों रुपये तक सिमट गया है, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत श्री सोनी को 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी का लाभ मिला है, जो डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में जमा होगी। उनका कहना है कि सौर ऊर्जा अपनाने से मासिक बचत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।श्री सोनी ने बताया कि सौर ऊर्जा न सिर्फ आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण का भी प्रभावी माध्यम है। सूर्य की रोशनी प्राकृतिक रूप से उपलब्ध है, और उसे तकनीक के माध्यम से ऊर्जा में बदलना एक दूरदर्शी प्रयास है। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना आम नागरिकों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बलरामपुर जिले सहित प्रदेश में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना तेजी से विस्तार पा रही है। जिले में बड़ी संख्या में परिवार सोलर सिस्टम स्थापित कर रहे हैं, जिससे बिजली बिल में राहत एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ रही है।यह योजना न सिर्फ आर्थिक बचत का माध्यम बन रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग के सभी कार्यों की समीक्षा की है। समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने विभाग के सचिव, आयुक्त, संचालक स्तर के सभी अधिकारियों को और बेहतर कार्य करने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में चिकित्सा शिक्षा , स्वास्थ्य सेवाएं, आयुष, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सीजीएमएससी एवं खाद्य एवं औषधि विभाग से जुड़े मुद्दों, योजनाओं, दवाइयों, उपकरणों और निर्माण कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जनहित से जुड़ा एक बड़ा मुद्दा है और इसमें कोई चूक नहीं होनी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के लिए कहा।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा तथा आयुक्त आयुष विभाग शिखा राजपूत तिवारी, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं तथा एमडी एनएचएम डॉ. प्रियंका शुक्ला, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि विभाग दीपक अग्रवाल, सीजीएमएससी के अधिकारी समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने भारत की मिलेट्स क्वीन लहरी बाई बैगा को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा लगाए गए मिलेट्स थीम आधारित स्टॉल में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पहुंचकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्टॉल में प्रदर्शित पारंपरिक मोटे अनाजों, प्रसंस्कृत उत्पादों और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी लेकर उन्होंने कृषि विभाग के प्रयासों की सराहना की। विभागीय प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण भारत की मिलेट्स क्वीन लहरी बाई बैगा रहीं।

जिन्होंने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को मिलेट्स से बना आकर्षक गुलदस्ता भेंट किया। लहरी बाई मूल रूप से डिंडोरी जिले के ग्राम सीलपीडी की निवासी हैं और पिछले कई वर्षों से 150 से अधिक प्रकार के मोटे अनाजों का संरक्षण कर रही हैं। वे स्वयं के नेतृत्व में 'मिलेट बैंक' का संचालन करती हैं और देशभर में मिलेट्स के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही हैं।

उनके समर्पण और परंपरागत ज्ञान से प्रभावित होकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उन्हें साड़ियाँ एवं 1100 रुपए की सम्मान राशि भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लहरी बाई जैसी महिलाएँ प्रदेश और देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जिन्होंने मोटे अनाजों की परंपरा को पुनर्जीवित किया और पोषण के क्षेत्र में मिसाल कायम की है। कृषि विभाग के स्टॉल में कोदो, कुटकी, रागी, कंगनी, हरी कंगनी जैसे मोटे अनाजों से बने प्रसंस्कृत उत्पाद एवं पोहा का प्रदर्शन एवं विक्रय कृषक कल्याण समिति, धवईपानी द्वारा किया गया साथ ही विभाग द्वारा मिलेट्स की उन्नत तकनीकों, प्रसंस्करण यंत्रों और कृषि उपकरणों का भी प्रदर्शन किया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को सशक्त बनाने और परंपरागत फसलों को बढ़ावा देने के लिए मिलेट्स मिशन के तहत ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने मिलेट्स को भविष्य का अनाज बताते हुए किसानों को इससे जुड़ने का आग्रह किया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कई लोगों से 35 लाख की ठगी, जुर्म दर्ज

रायपुर। एमएसएमईपीसीआई का चेयरमेन बनकर युवक ने प्रार्थी समेत कई लोगों से 35 लाख रुपए ऐंठकर धोखाधड़ी किया। प्रार्थी की शिकायत पर अभनपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अनिल कुमार श्रीवास 40 वर्ष विशाल नगर तेलीबांधा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी विजय कुमार चौरसिया ने खुद को एमएसएमईपीसीआई का चेयरमेन बताकर प्रार्थी व उसके दोस्तों को छत्तीसगढ़ में टीम गठन करने के नाम पर 35 लाख रुपए ऐंठ लिया और फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र व आईडी कार्ड देकर धोखाधड़ी किया। प्रार्थी की शिकायत पर अभनपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मंगलसूत्र स्नेचिंग करने वाला पकड़ाया

रायपुर। रायपुर पुलिस नेसोने का मंगलसूत्र स्नेचिंग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से मंगलसूत्र तथा एक मोटरसायकल जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया श्रीमती रूबी बाई ने थाना सिविल लाईन में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह प्रतिदिन की तरह दिनांक 01.11.2025 को सुबह करीबन 4.30 बजे पैदल टहलने के लिए निकली थी। पैदल चलते हुये वह गली नंबर 05 पहुंचकर फूल तोड़ रही थी। इसी दौरान मोटर सायकल में सवार एक अज्ञात लड़का आकर गाड़ी रोककर प्रार्थिया से फूल मांगा तो वह फूल तोड़ने हेतु पीछे मुड़ कर फूल तोड़ने लगी तभी लड़का प्रार्थिया के गले में पहने सोने का मंगलसूत्र को खींच कर भाग गया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में 304(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना सिविल लाईन पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थिया से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाये गये।

तालाब में मिला युवक का शव

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई क्षेत्र में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव क्षेत्र के शीतला तालाब में तैरता मिला है। सूचना मिलते ही खमतराई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक की पहचान अर्जुन यादव के रूप में हुई है। पुलिस को शव की तलाशी लेने पर मृतक युवक की जेब से शराब की एक बोतल मिली, जिससे मामला संदिग्ध लग रहा है। फ्लिहाल पुलिस मौत के कारणों की जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार खमतराई शीतला तालाब में स्थानीय लोगों ने एक युवक की लाश को तैरता हुए देखा और तत्काल इसकी सूचना खमतराई थाना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दियात था पुछताछ में मृतक की पहचान अर्जुन यादव के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा मृतक के कपड़ो की तलाशी लेने पर उसकी जेब से शराब की बोतल मिली।

आईजी गर्ग ने की दोषमुक्ति प्रकरणों की समीक्षा, आदतन अपराधियों की जमातन निरस्त कराने का दिया निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईजी दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग के नेतृत्व में गुरुवार को रेंज स्तरीय दोषमुक्ति प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल 320 से अधिक प्रकरणों की क्रमवार समीक्षा की गई, जिसमें दुर्ग के 181, बालोद के 102, एवं बेमेतरा के 44 प्रकरण शामिल थे। इस दौरान आईजी गर्ग ने आदतन अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई व इनकी जमानत निरस्त करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान महिला संबंधी अपराध, पॉक्सो एक्ट, हत्या एवं हत्या के प्रयास से संबंधित प्रकरण, एनडीपीएस एक्ट एवं चिटफंड प्रकरणों में दोषमुक्ति के कारणों की गहन समीक्षा की गई। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा दोषसिद्धि की दर बढ़ाने, विवेचना की गुणवत्ता सुधारने तथा अभियोजन के साथ समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

आदतन अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई पर विशेष बल देते हुए आईजी गर्ग ने कहा कि ऐसे अपराधी, जो बार-बार अपराध कर समाज में भय का वातावरण बनाते हैं, उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जो आदतन अपराधी जमानत पर रिहा है और वे पुनः अपराध कर रहे हैं, उनके विरुद्ध पूर्ववर्ती अपराधों की जमानत निरस्त कराए जाने हेतु न्यायालय में त्वरित पहल की जाए। साथ ही, ऐसे अपराधियों की निगरानी को और सशक्त बनाते हुए स्थानीय पुलिस को नियमित रूप से रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में संयुक्त संचालक अभियोजन दुर्ग एसएस ध्रुव, उप संचालक दुर्ग भीम सिंह राजपूत, उप संचालक बालोद अनुरेखा सिंह, उप संचालक बेमेतरा अर्पणा अग्रवाल, अति. पुलिस अधीक्षक बेमेतरा ज्योति सिंह, अति. पुलिस अधीक्षक बालोद मोनिका ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक बैजन्ती माला तिग्गा, डीएसपी दुर्ग भारती मरकाम, उप निरीक्षक राजकुमार प्रधान,सहायक उप निरीक्षक हेमंत त्रिपाठी, डाटा एंट्री ऑपरेटर तेजस्वी गौतम एवं पुलिस पीआरओ प्रशांत कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

जीएसटी विभाग की बड़ी कार्यवाही: तीन 18 चक्के वाले संदिग्ध ट्रकों को किया जप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जीएसटी विभाग की टीम ने कोरबा जिले में बड़ी कार्यवाही करते हुए तीन 18 चक्के वाले संदिग्ध ट्रकों को पकड़कर जप्त किया है। इन तीनों ट्रकों में क्रमशः विस्फोटक पदार्थ, छड़ और स्क्रैप भरा हुआ पाया गया है। विभाग ने इन गाड़ियों को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, पहले ट्रक में 34 टन अमोनियम नाइट्रेट भरा हुआ था, जिसे वाहन चालक के मुताबिक गुजरात से लाया गया था और उसे इंडियन ऑयल कंपनी ले जा रहा था। अब सवाल यह उठता है कि इंडियन ऑयल जैसी पेट्रोलियम कंपनी के लिए बारूदनुमा रासायनिक पदार्थ का उपयोग आखिर किस उद्देश्य से किया जा रहा था विभाग इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए कंपनी से लगातार पूछताछ कर रहा है, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अमोनियम नाइट्रेट एक रासायनिक यौगिक है जिसका प्रयोग सामान्यतरू उर्वरक और खनन उद्योग में विस्फोटक तैयार करने के लिए किया जाता है। हालांकि, इसकी गलत हैंडलिंग या अवैध उपयोग से यह अत्यधिक विस्फोटक और खतरनाक साबित हो सकता है। इसीलिए इसके परिवहन और उपयोग पर सख्त शासकीय नियम लागू हैं।

दूसरे ट्रक में छड़ भरा हुआ था, उसका परमिट रायपुर का पाया गया, जबकि वह ट्रक रायगढ़ से चलकर मध्यप्रदेश की ओर जा रहा था। दस्तावेजों में गड़बड़ी पाए जाने पर विभाग ने इस पर लगभग 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाए जाने की चर्चा जोरों पर है।

जांजगीर-चांपा जा रहा था लेकिन कागज में दिल्ली की पार्टी होना बताया जा रहा है, जांच में कर अनियमितता मिलने पर विभाग ने 1 लाख 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। अब सवाल यह उठता है कि जब जिले में कबाड़ का कार्य बंद है तो यहां से कबाड़ की गाड़ी कैसे लोड होकर जा रही थी। फ्लिहाल जीएसटी विभाग ने तीनों ट्रकों को अपने कब्जे में लेकर आगे की वित्तीय एवं सुरक्षा जांच शुरू कर दी है। मामले की सूचना संबंधित उच्च अधिकारियों को भी भेज दी गई है।

नेशनल फुटबॉल प्लेयर से छेड़छाड़, भोपाल से आया था बदमाश, पुलिस गिरफ्त में आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में नेशनल फुटबॉल खिलाड़ी से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना 3 नवंबर की बताई जा रही है जिसकी शिकायत खिलाड़ी ने पांच नवंबर को थाने पहुंचकर की। शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी युवक भोपाल एमपी का रहने वाला है। मिली जानकारी के अनुसार घटना 3 नवंबर की है। पीडिता ने अपनी शिकायत में बताया कि 3 नवंबर की दोपहर वुमेन नेशनल फुटबॉल प्लेयर प्रैक्टिस के लिए दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम जा रही थी। चौपाटी के पास पहुंची थी। इस दौरान भोपाल मध्यप्रदेश निवासी कुनाल परिहार मौके पर पहुंचा। कुनाल परिहार ने युवती का रास्ता रोका और अपने साथ चलने का कहने लगा। किसी तरह से युवती से उससे बचकर एक दुकान में गई और अपने पिता को फोन लगाया। पिता मौके पर पहुंचा और बेटी को अपने साथ ले गया। इसके बाद पांच नवंबर को युवती अपने पिता के साथ थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराया। पीडिता ने बताया कि आरोपी युवक उसे एक साल से परेशान कर रहा है। अलग अलग नंबरों से कॉल करता है और मना करने के बाद के भी बात करने का प्रयास करता है। थाना पद्मनाभपुर पुलिस ने शिकायत पर आरोपी कुनाल परिहार (26 साल) के खिलाफ धारा 74, 78, 351(3), 126(2) BNS के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

नशीली दवा के साथ दो युवक गिरफ्तार, 464 नग कैप्सूल के साथ पकड़े गए दोनों आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में बस्तर पुलिस अपराधी तत्वों और अवैध नशे के सौदागरों पर लगातार नकेल कस रही है।इसी कड़ी में प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल के साथ दो आरोपियों को बोधघाट थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरोपियों से करीब साढ़े सत्रह हजार रुपए मूल्य की 464 नग नशीली कैप्सूल बरामद की गई है। ज्ञात हो कि थाना बोधघाट पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सरगीपाल रोड रेलवे साइडिंग मोड़ के पास दो लडके नशीली कैप्सूल बिक्री करने के लिए ग्राहक का इंतजार करते खड़े हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के दिशा निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार डी. धोत्रे के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम तैयार की गई। टीम ने मुखबिर के बताये स्थान पर जाकर संदेहियों की तस्दीक की और आरोपियों को दबोच लिया। आरोपी करण यादव पिता कंवर सिंह यादव 33 वर्ष निवासी अब्दुल कलाम वार्ड तथा कृष्णा केंवट पिता छोटे केंवट 22 वर्ष निवासी कुम्हार पारा एक थैले में 464 नग प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल रखे हुए थे। कैप्सूल की कीमत 17, 400 रुपए आंकी गई है। रूपये को पेश करने से जप्त कर उक्त आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों को आज 6 नवंबर को विशेष न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपियों जेल भेज दिया है। मामले में बोधघाट थाना प्रभारी निरीक्षक लीलाधर राठौर, उप निरीक्षक लोकेश्वर नाग, सहायक उप निरीक्षक दिनेश उसेंडी, प्रधान आरक्षक अहिलेश नाग एवं आरक्षक होरीलाल आर्मो, युवराज, थानेंद्र सिन्हा, विजय तिर्की व अजित सरकार ने अहम भूमिका निभाई।

रायपुर में रिटायर्ड बैंक मैनेजर के घर चोरी: चेहरा ढककर घुसी महिला चोर, सोने की अंगूठी-नगद रकम लेकर भागी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के सुंदर नगर इलाके में एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर के घर से सोने की अंगूठी और नगदी रकम चोरी का मामला सामने आया है। चोरी की वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें एक महिला नीले रंग का सलवार सूट पहनकर और चेहरा ढककर घर में घुसते हुए दिख रही है।

मामला डीडी नगर थाना इलाके का है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित ब्यास नारायण शुक्ला निवासी अमरपुरी रोड सुंदर नगर ने पुलिस को बताया कि वह सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया रीजनल ऑफिस रायपुर में असिस्टेंट रीजनल मैनेजर के पद से साल 1998 में सेवानिवृत्त हुए थे और वर्तमान में अकेले रहते हैं। 4 नवम्बर की शाम करीब 7:15 बजे वे अपने घर में ताला लगाकर तिवारी किराया भंडार अश्विनी नगर स्थित मित्रों के पास चले गए थे। जब वे रात 9:20 बजे लौटे, तो देखा कि घर का सामान बिखरा हुआ था।

पहले भी हो चुकी हैं चोरी

शक होने पर उन्होंने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी, जिसमें एक अज्ञात महिला घर के अंदर जाती हुई नजर आई। महिला ने अलमारी के लॉकर से 1 नग सोने की अंगूठी और नकदी रकम चोरी कर ले गई। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी अलमारी के लॉकर से एक जोड़ी सोने की टॉप्स और 5 नग चांदी की बिछिया गायब हो चुकी हैं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला आरोपी की पहचान करने और उसकी गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

मगरलोड थाना व सायबर टीम ने मिलकर किया ट्राली चोरी का पर्दाफाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में थाना मगरलोड पुलिस एवं सायबर टीम की संयुक्त कार्यवाही से किसानों की ट्रैक्टर ट्राली चोरी के मामलों का सफलतापूर्वक पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण इस प्रकार है कि प्रार्थी द्वारा थाना मगरलोड में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 03.10.2025 से 04.10.2025 की दरमियानी रात में अज्ञात चोरों ने उसके घर के बयारा में खड़ी लाल रंग की ट्रैक्टर ट्राली चोरी कर ली।

रिपोर्ट पर थाना मगरलोड में अपराध क्रमांक 176/25 धारा 303(2), 3(5) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। किसान की ट्राली चोरी होने से कृषि कार्य प्रभावित न हो, इस पर पुलिस अधीक्षक धमतरी द्वारा तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे। संयुक्त टीम की जांच और कार्यवाही मगरलोड पुलिस एवं सायबर टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर सूचना एवं क्षेत्र में सतत पूछताछ के आधार पर तीन संदेहियों - (01) शोएब खान उर्फ राजा पिता अयुब खान उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम कमईपुर, थाना मगरलोड,जिला धमतरी (छ.ग.)(02) देवनारायण ध्रुव पिता गणेश राम ध्रुव उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम कमईपुर, थाना मगरलोड,जिला धमतरी (छ.ग.) (03) मोहम्मद आबिद रिजवी पिता स्व. मोहम्मद सरीफरिजवी उम्र 27 वर्ष निवासी संजय नगर वार्ड 06, कांकेर (छ.ग.)से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने न केवल मगरलोड क्षेत्र की ट्राली चोरी बल्कि 27.08.2025 को ग्राम सोनझरी से ट्रैक्टर नांगर और 09.09.2025 को ग्राम कसारवाही से ट्रैक्टर ट्राली चोरी करने की बात स्वीकार की।

मगरलोड के अतिरिक्त थाना दुगली क्षेत्र में भी चोरी की दो घटनाएँ इसी गिरोह से जुड़ी पाई गईं — अपराध क्रमांक 30/25 धारा 303(2) बीएनएस - ग्राम कसारवाही से ट्रैक्टर ट्राली चोरी अपराध क्रमांक 31/25 धारा 303(2) बीएनएस .- ग्राम सोनझरी से ट्रैक्टर नांगर चोरी दोनों प्रकरणों में आरोपीगण की संलिप्तता पाई गई है। न्यायिक रिमांड एवं आगे की कार्यवाही- आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

धमतरी पुलिस आगे भी अन्य जिलों से जुड़ी चोरी की वारदातों की कड़ियाँ जोड़ते हुए जांच जारी रखे हुए है। धमतरी पुलिस नागरिकों एवं किसानों से अपील करती है कि खेत-खलिहान या घर में रखे कृषि उपकरणों की सुरक्षा हेतु सावधानी बरतें एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना नजदीकी थाना या डायल-112 पर दें।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग, बालोद

// निविदा आमंत्रण सूचना //

कमांक— 5922 /व.ले.लि./NIT- 10 /2025–26/बालोद दिनांक :— 04.11.2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :— 17/11/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :— 24/11/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :— 25/11/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटीक्र. निविदा क्र.	कार्यका नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत(रू.लाख में) अमानत राशि बैंक साल्वेंसी
1	2	3
09 T0057	जिला बालोद के अंतर्गत हितेकसा कोडेकसा माटरी मार्ग के कि.मी.11 से 16, हरठेमा मालगांव मड़वापथरा मार्ग लं. 6.20 कि.मी., नेवारीकला देवीनवागांव अरौदा मार्ग लं. 6.20 कि.मी. एवं दल्लीराजहरा बायपास मार्ग लं. 18.00 कि.मी. में सर्वे का कार्य।	6.97.00 5228.00 104550.00

नियम व शर्तें :—

1) पंजीयन की छायाप्रति 2) पेन कार्ड की छायाप्रति 3) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति 4) 5) बैंक साल्वेंसी सर्टिफिकेट 6) श्रमिक पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति 7) अग्रिम भुगतान नही किया जावेंगा 8) बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार विभाग को होगा 9) डी.पी.आर. कार्य का अनुभवन प्रमाण पत्र एवं आटो लेवल मशीन उपलब्ध हो 10) निविदाकारों की श्रेणी "द" से "अ" निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रू. 750.00 एवं कार्य की अवधि "02" माह होगी।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. बालोद संभाग बालोद

जी- 252604549/2

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

माँ भारती को समर्पित
देशभक्ति और आध्यात्मिकता के
भाव से भरा गीत

वन्दे मातरम्

राष्ट्रीय गीत के
150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर

सामूहिक 'राष्ट्रीय गीत' गायन

कार्यक्रम का शुभारंभ

यशस्वी प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के द्वारा

7 नवंबर 2025, शुक्रवार

सुबह 10 से 11 बजे तक

ग्राम पंचायत से प्रदेश स्तर तक सभी शासकीय कार्यालय, शैक्षिक और अन्य संस्थानों में **4 चरणों** में साल भर आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

पहला चरण	7-14 नवंबर 2025
दूसरा चरण	19-26 जनवरी 2026
तीसरा चरण	7-15 अगस्त 2026
चौथा चरण	1-7 नवंबर 2026

वन्दे मातरम्।

सुजलाम् सुफलाम् मलय़जशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 1।।

शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 2।।

कोटि-कोटि कण्ठ कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बॉले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीम्,
रिपुदलवारिणीं मातरम्। वन्दे मातरम्।। 3।।

तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि हृदि तुमि मर्म,
त्वम् हि प्राणाः शरीरे, बाहुते तुमि माँ शक्ति,
हृदय़े तुमि माँ भक्ति, तोमारेई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम् ।। 4।।

त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम्।। 5।।

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 6।।

RO-45814/81

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

DD NEWS कार्यक्रम का सीधा प्रसारण
डीडी न्यूज़ पर देखें

**आइए, हम सभी इस ऐतिहासिक क्षण को
गर्व और उल्लास के साथ मनाने का संकल्प लें।**

वन्दे मातरम्!!

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950